अध्याय – पंचम

स्वतंत्रता आंदोलन में जुड़े मध्यप्रदेश के जैन धर्मावलम्बियों का सामान्य परिचय

प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के पुत्र भारत के नाम पर विख्यात भारतवर्ष की समृद्धि में जैन समाज का योगदान अप्रतिम है । देष के सास्कृतिक एवं आर्थिक विकास के साथ साथ राजनैतिक विकास और राष्ट्रीय आंदोलन में भी इस समाज ने महनीय योगदान दिया है। भामाषाह ने राणा प्रताप के चरणों में समग्र इतना धन अर्पित कर दिया था, जिससे 25000 सैनिकों का 12 वर्ष तक निर्वाह हो सकता था। 1857 के अमर शहीद हुकुमचंद जैन, अमरचंद बांठिया ने अपना सर्वस्व समर्पण कर आजादी का मार्ग प्रषस्त किया था। आजादी के आंदोलन में लगभग पांच हजार जैन जेल गये, वही जैन महिलायें भी पीछे नहीं रहीं बाहर से आर्थिक या अन्य किसी तरह का योगदान देने वालों की संख्या तो कई हजार है। जैन समाज के इस योगदान का प्रामाणिक आकलन आज तक नहीं हो सका था। आजादी के बाद शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों पर बहुत कुछ लिखा गया है किन्तु उनमें जैन शहीदों की चर्चा प्रायः नहीं होती, जबकि इनका योगदान किसी अन्य शहीद से कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। देष के साथ साथ मध्यप्रदेष में भी जैन समाज ने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। प्रस्तुत अध्याय में 1857 से 1947 के बीच शहादत प्राप्त करने वाले प्रमुख जैन शहीदों के अलावा स्वतंत्रता संग्राम में जिन जैनों ने भाग लिया था जिनका परिचय इस प्रकार है :–

अमर शहीद अमरचन्द्र बांठिया :

भारत वर्ष का प्रथम सशस्त्र स्वाधीनता संग्राम 1857 ई0 में प्रारंभ हुआ था । इसे स्वाधीनता संग्राम की आधारशिला कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । इस संग्राम में जहाँ महारानी लक्ष्मीबाई , तात्या टोपे, मंगल पांडे आदि शहीदों ने अपनी कुर्बानी देकर आजादी का मार्ग प्रशस्त किया, वहीं सहस्रों रईसों और साहूकारों ने अपनी तिजोरियों के मुंह खोलकर संग्राम को दृढ़ता प्रदान की । तत्कालीन ग्वालियर राज्य के कोषाध्यक्ष अमर शहीद अमरचंद बांठिया ऐसे ही देशभक्त महापुरूषों में से थे, जिन्होनें 1857 के महामसर में जूझ रहे क्रान्तिवीरों को संकट के समय आर्थिक सहायता देकर मुक्ति संघर्ष के इतिहास में अपना नाम अमर कर लिया।

अमरचंद के दादा का नाम खुशालचंद एवं पिता का नाम अबीरचंद था। अमरचंद अपने सात भाईयों (श्री जालमसिंह, सालमसिंह, ज्ञानचंद, खूबचंद, सवलसिंह, मानसिंह, अमरचंद) में सबसे छोटे थे ।

अमरचंद बांठिया में धर्मनिष्ठा, दानशीलता, सेवाभावना, ईमानदारी, कर्तव्य परायणता आदि गुण जन्मजात थे। यही कारण था कि सिन्धिया राज्य के पोद्दार श्री वृद्धिचंद संचेती, जो जैन समाज के अध्यक्ष भी थे, ने अमरचंद को ग्वालियर राज्य के प्रधान राजकोष गंगाजली के कोषालय पर सदर मुनीम (प्रधान कोषाध्यक्ष) बनवा दिया । उस समय सिन्धिया नरेश 'मोती वाले राजा' के नाम से जाने जाते थे। 'गंगाजली' में अटूट धन संचय था, जिसका अनुमान स्वयं सिंधिया नरेशों को भी नहीं था विपुल धनराशि से भरे इस खजाने पर चौबीसों घण्टे सशस्त्र पुलिस बल का कड़ा पहरा रहता था। कहा जाता है कि ग्वालियर राजघराने में उन दिनों पीढ़ियों से

यह आन चली आ रही थी कि न तो कोई राजा अपने राजकोष की सम्पत्ति को देख ही सकता था और न उसमें से कुछ निकाल ही सकता था, अतः गंगाजली की सदैव वृद्धि होती रहती थी। इस अकूत धन संचय को कोषाध्यक्ष के अतिरिक्त और कोई नहीं जानता था। अमरचंद बांठिया इस खजाने के रक्षक ही नहीं ज्ञाता भी थे, वे चाहते तो अपने लिए मनचाही रत्न राशियॉ निकालकर कभी भी धनकुबेर बन सकते थे। पर बांठिया जी तो जैन धर्म के पक्के अनुयायी थे, जो राजकोष का एक पैसा भी अपने उपयोग में लाना घोर पाप समझते थे। अमर चंद बांठिया को 22 जून 1858 को ग्वालियर में राजद्रोह के अपराध में अंग्रेज सरकार द्वारा फांसी दी गई।

अमर शहीद सिंघई प्रेमचन्द्र जैन –

दमोह (म0प्र0) जिले के एक छोटे से ग्राम सेमरा बुजुर्ग में उस दिन प्रेम की बरसात होने लगी, सारे गांव में सुख छा गया, जिस दिन भारतमाता से प्रेम करने वाले अमर शहीद प्रेमचंद का जन्म सिंघई सुखलाल एवं माता सिरदार बहू के आंगन में हुआ। सिंघई प्रेमचंद जैन बचपन से ही उत्साही, लगनशील निर्भीक, प्रतिभाशाली एवं होनहार युवक थे। सुखलाल जी की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी । फिर भी बालक प्रेमचंद को उन्होनें प्राथमिक शिक्षा के बाद माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ने के लिए दमोह के महाराणा प्रताप हाईस्कूल में भेज दिया। दिसम्बर 1933 में पूज्य महात्मा गांधी का दमोह नगर में आगमन हुआ । प्रेमचंद 16 कि0मी0 चलकर उनका भाषण सुनने दमोह आये । कहते है इसके बाद वे लौटकर गांव नहीं गये और दमोह में ही आजादी के महायज्ञ में कूद पड़े । जंगल सत्याग्रह, विदेशी कपड़ों का बहिष्कार, मादक वस्तुओं के विक्रय केन्द्रों पर धरना, नमक सत्याग्रह झण्डा फहराना आदि साहसिक कार्यो में भाग लेने के परिणामस्वरूप सिंघई जी को स्कूल से निकाल दिया गया । तब आप

खादी प्रचार अछूतोद्वार और गांव–गांव में डुग्गी बजाकर गांधी जी के संदेशों का प्रचार करने लगे । देशभक्ति की ऐसी लगन देखकर श्री रणछोड़ शंकर धगट आपको गांधी आश्रम, मेरठ ले गये । मेरठ में आप तीन वर्ष रहकर 1937 में लौटे और श्री प्रेमशंकर धगट, सिंघई गोकलचंद्र श्री रघुवर प्रसाद मोदी, श्री बाबूलाल पलन्दी आदि के साथ सक्रिय एवं कर्मठ कांग्रेस कार्यकर्ता बन गये, जिससे स्थानीय प्रशासन आपके नाम से थर्राने लगा। 9 मई 1941 में जहर देने से आपकी मृत्यु हुई।[1]

अमर शहीद वीर उदयचन्द्र जैन –

मण्डला नगर के पास ही नर्मदा मैया के दूसरे तट पर बसा है महाराजपुर ग्राम। इसी ग्राम के निवासी थे वीर उदयचंद्र जैन जिन्होंने मात्र 19 वर्ष की अल्पवय में सीने पर गोली खाकर देश की आजादी की मार्ग प्रशस्त किया था। उदयचंद्र जैन का जन्म 10 नवम्बर 1922 को हुआ । आपके पिता का नाम सेठ त्रिलोक चन्द्र एवं माता का नाम श्रीमती खिलौना बाई था। उदयचंद्र की प्रारंभिक शिक्षा महाराजपुर में हुई ।[2] 1936–37 में आगे अध्ययन के लिए वे जगन्नाथ हाई स्कूल (वर्तमान नाम – जगन्नाथ शासकीय बहुदेशीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक शाला) मण्डला में प्रविष्ट हुए । उदयचंद्र मेधावी छात्र तो थे ही, अपनी नेतृत्व क्षमता के कारण वे छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गये । तब वे हाईस्कूल के छात्र थे। उदय चंद्र बलिष्ठ और ऊंचे थे, हाकी उनका प्रिय खेल था। विज्ञान और गणित में उनकी अत्यधिक अभिरूचि थी । अपना काम स्वयं करने की प्रवृत्ति बचपन

[1] पं. फूलचन्द्र शास्त्री – पटवार जैन समाज का इतिहास, 1992 पृ.517
[2] मध्यप्रदेष के स्वतंत्रता संग्राम सैनिक, भाग– पृ.204

से ही थी । वे अत्यन्त मितव्यापी, ओजस्वी वक्ता और प्रायः मौन रहने वाले थे ।[3]

अमर शहीद मगनलाल ओसवाल –

अमर शहीद मगनलाल ओसवाल की शहादत भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। मगनलाल ओसवाल का जन्म 1906 ई में जावरा म0प्र0 में हुआ था।[4] आपके पिता श्री हीरालाल ओसवाल इंदौर में व्यवसाय करते थे । मोरसली गली में उनकी छोटी सी किराने की दुकान थी। मगनलाल अपने पिता की इकलौती संतान थी ओसवाल जी की शिक्षा दीक्षा अधिक नहीं हुई मिडिल पास करने के उपरांत आप पिताजी के साथ दुकान पर बैठने लगे । 1942 में जब 'भारत छोडो आंदोलन' छिड़ा तब आपकी शादी हो चुकी थी, आप गृहस्थ बन गये थे और पिता भी । भारत छोड़ो आंदोलन में आपने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ओर, गोली भी खाई थी। 23 दिसंबर 1945 को आपकी मृत्यु हो गई।

अमर शहीद कन्धीलाल जैन –

इसी कानून को तोड़ने वाले अमर शहीद कन्धीलाल जैन का जन्म 1894 में सिलौडी जबलपुर म.प्र. कस्बे के सेठ मटरूलाल के यहां हुआ । अन्य लोगों के साथ कन्धीलाल भी झण्डा उठाकर गांव गांव घूमे और जंगल कानून भंग किया । 15 सितम्बर 1930 को अंग्रेज सिपाहियों की लाठी की मार खाने से आपकी मृत्यु हुई।[5]

---

[3] जैन संदेष,–राष्ट्रीय अंक (23 जनवरी 1947)

[4] मध्यपद्रेष के स्वतंत्रता संग्राम सैनिक भाग –4, 1984, पृ.34

[5] मध्यप्रदेश के वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी श्री रतन चंद जैन जबलपुर द्वारा प्रदत्त।

अमर शहीद मुलायम चन्द्र जैन –

जबलपुर (म0प्र0) के अमर शहीद मुलायम चन्द्र जैन एक क्रांतिकारी के हमशक्ल होने के कारण शहादत को प्राप्त हो गये।[6] मुलायम चंद जैन, पुत्र श्री भैयालाल पुजारी जबलपुर के लार्डगंज में अपनी छोटी सी कपड़े की दुकान चलाकर जीविकोपार्जन करते थे । अपनी पारिवारिक मजबूरियों के कारण मुलायमचंद स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग तो नहीं ले पाते थे, पर उनकी हृदय की भावनायें तो आजादी के लिये हिलोरें लेती थी । दो – तीन दैनिक पत्र वे दुकान पर मँगवाया करते थे , उन पर चर्चा होती थी, गर्मा –गर्म राजनैतिक बहसे होती थी । यह बात पुलिस की निगाहों में आ चुकी थी । पुलिस यातनाओं के कारण 1942–43 में आपकी मृत्यु हुई।

अमर शहीद चौधरी भैया लाल–

भैयालाल का जन्म 1886 में म0प्र0 के दमोह नगर में पिता श्री विहारीलाल के घर हुआ ।[7] नाटा कद, गठीला बदन, गौर वर्ण और चहरे पर जवानी की आभा, यही व्यक्तिव था अमर शहीद चौधरी भैयालाल का 1908 में बंग–भंग के समय से ही वे राजनीति में सक्रिय हो गये थे। देश को आजाद देखने की उनमें ललक थी। संगठन की अदभुत क्षमता के धनी चौधरी जी 1920–21 दमोह के कांग्रेस जनों में अग्रणी थे । उन्होनें लोकामान्य बाल गंगाधर राव तिलक को दमोह में आमंत्रित किया, पर शासन की ओर से सभा पर पाबंदी लगा दी गई । चौधरी जी इससे निराश होने वाले नहीं थे । उन्होनें 20 मील दूरी श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर की सुरम्य पहाड़ियों के मैदान में सभा कराई और अपनी संगठन

[6] पं. फूलचन्द्र शास्त्री – पटवार जैन समाज का इतिहास 1992, पृष्ठ 518
[7] वही –पृ. 519

का परिचय दिया।[8] अंग्रेज शासन जनता में इनके प्रभाव से परेशान रहता था। आप जेल भी गए। सन् 1922 में यात्रा के दौरान मृत्यु हुई।

अमर शहीद चौथमल भंडारी –

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में जेल में ही अपना जीवन भारत माता के चरणों में समर्पित करने वाले अमर शहीद चौथमल भण्डारी का जन्म 3 जुलाई 1926 को ग्राम कायथा जिला उज्जैन (म0प्र0) में हुआ था इनके पिता का नाम श्री केशरीमल भण्डारी था[9] जो आस पास की जनता में अत्यन्त लोकप्रिय थे । माता धार्मिक स्वभाव वाली समाज सेविका महिला थी । किशोरावस्था में ही भण्डारी जी जुलूसों में जाने लगे थे।[10] आपने कई बार कारावास भी भोगा। 22 जुलाई 1943 को इंदौर जेल में उनकी मृत्यु हुई।

अमर शहीद साबूलाल जैन वैसखिया–

साबूलाल का जन्म 1923 में गढ़ा कोटा जिला सागर में हुआ[11]। पिता पूरन चन्द्र वास्तव में उसी दिन पूरन (पूर्ण) हुये थे, जब साबूलाल ने उनके घर जन्म लिया। बालक साबूलाल ने स्थानीय स्कूल में ही पांचवी तक शिक्षा ग्रहण की । उन दिनों दर्जा पाँच पास कर लेना भी बहुत समझा जाता था। साबूलाल की इच्छा और अधिक पढ़ने की थी पर पिता की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी अतः असमय में ही उन्हें पढ़ाई छोड़कर गृह कार्य में लग जाना पड़ा । पर इससे देश प्रेम की जो भावना उनमें जाग चुकी थी, वह मंद नहीं पड़ी प्रत्युत दिन व दिन बढ़ती ही गई। 22 अगस्त 1942 को गढ़ा कोटा में एक बृहत् सभा का आयोजन हुआ ।

---

[8] ज्ञानोदय मई 1952 अंक
[9] मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम सैनिक भाग –4 पृ. 162
[10] जैन प्रतीक इंदौर जुर्ला 1996
[11] विन्ध वाणी, शहीद अंक (1948)

सर्वसम्मति से तय हुआ कि अंग्रेजी शासन तंत्र का प्रतीक पुलिस थाना यहाँ है। अतः इस पर ही तिरंगा झण्डा फहराया जावें। गढ़ा कोटा जैसे कस्बे में इतना बड़ा जलूस शायद कभी निकला हो।[12] इसी जुलूस में पुलिस की गोली लगने से आपकी मृत्यु हुई।

श्रीमती तारावाई जैन कासलीवाल–

श्रीमती तारावाई जैन महीदपुर जिला उज्जैन (म0प्र0) के प्रसिद्ध स्वाधीनता सैनानी श्री नेमीचन्द्र जैन कासलीबाई की पत्नी थी 1942 के आंदोलन वह अपने पति के साथ गर्भवती होने पर भी जेल गई।

श्रीमती नन्हीबाई जैन –

ग्राम लथकाना (सिहोरा) जिला जबलपुर म0प्र0 की श्रीमती नन्हीबाई जैन ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया तथा 8 माह 18 दिन जबलपुर जेल में गुजारें।[13] श्रीमती नन्हीबाई जबलपुर की सुप्रसिद्ध कवियित्री श्रीमती सुन्दरदेवी, जिन्होनें राष्ट्रीयता से भरपूर अनेक कवितायें लिखी, के साथ भी रही थी।

श्रीमती सज्जन देवी महनोव –

उज्जैन (म0प्र0) के प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी श्री सरदार सिंह महनोत की धर्म पत्नी श्रीमती सज्जन देवी महनोत का जन्म 1904 के आसपास ग्वालियर राज्य के राज प्रतिष्ठित श्री सुगम चंद्र भंडारी के यहाँ हुआ।[14] तत्कालीन पर्दा–प्रथा और दिखाऊ कुलीनता की आपने चिन्ता नहीं की और मिडिल तक शिक्षा ग्रहण की । 1930 के आंदोलन में सरकारी आपकी अवहेलना कर आप 4 माह जैल में बंद रहीं । 1932 के व्यक्तिगत

[12] अनेकान्त पथ, भोपाल 17.9.992
[13] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनिक भाग–1 पृ. 63
[14] जैन संदेश, राष्ट्रीय अंक (23जनवरी 1947)

सत्याग्रह में भी आपने जेल यात्रा की । 1942 में आप अनेक बार गिरफ्तार हुई और छोड़ दी गई। 1943 में जब आप नजर बंद हुई तो 1946 में छूटी । आपके पुत्र श्री राजैनद्र कुमार महनोत और भतीजे श्री ताज बहादुर महनोत ने भी जेल की दारूण यातनायें सही।[15]

श्रीमती सुन्दर देवी जैन –

1942 को 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लेने के साथ ही हिन्दी काव्यांकाश में एक नई तारिका के रूप में उदित श्रीमती सुन्दर देवी, धर्म पत्नी श्री शिखरचन्द्र जैन का जन्म 6 दिसम्बर 1925 को कटनी, जिला जबलपुर म0प्र0 में हुआ। 1942 के आंदोलन में सुन्दर देवी ने भाग लिया। 7 दिसम्बर 1979 को आपका निधन हो गया।

श्री अक्षय कुमार जैन

भोपाल (म.प्र.) के श्री अक्षय कुमार जैन पुत्र श्री मानकलाल का जन्म 1922 में हुआ । 1942 के करो या मरो आंदोलन में भाग लिया। 1948 के भोपाल राज्य विलीनीकरण आंदोलन के सक्रिय कार्यकर्ता रहे श्री जैन ने राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिगत रहकर कार्य किया । शासन ने सम्मान पत्र प्रदान कर आपको सम्मानित किया है।[16]

श्री अबीर चन्द्र जैन

श्री अबीरचंद जैन, पुत्र श्री पन्नालाल जैन का जन्म 1900 में जबलपुर (म.प्र.) में हुआ 1942 के आंदोलन में आप अपने पुत्र श्री हीरालाल द्वारा भूमिगत होकर तोड़ फोड़ के कार्य करने और गिरफ्तार न होने पर बंधक के रूप में बंदी बनाये गये थे । जेल से पुत्र को आत्म समर्पण न

[15] मांगीलाल भूतोडिया– इतिहास की अमर बेल – ओसवाल भाग–2 पृष्ठ –399
[16] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.09

करने की प्रेरणा देते रहे । अन्ततः श्री हीरालाल के गिरफ्तार होने पर 5 माह बाद रिहा किये गये।[17]

श्री अभयकुमार जैन –

अब्बू उपनाम से विख्यात श्री अभयकुमार जैन पुत्र श्री गुलाबचंद जैन का जन्म 7 सितम्बर 1913 को सिवनी (म.प्र.) में हुआ।[18] 1937 में आपने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की । 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में आपने भाग लिया तथा सिवनी, छिन्दवाडा, नागपुर, जबलपुर जेलों में डेढ़ वर्ष का कारावास भोगा । सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित करने वाले श्री जैन में देष सेवा ईमानदारी राष्ट्र के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं श्रद्धा कूट– कूट कर भरी थी । स्वतंत्रता आंदोलन में स्मरणीय योगदान के लिए राष्ट्र की ओर से आपको ताम्रपत्र भेंटकर सम्मानित किया था। इसी प्रकार दिगम्बर जैन समाज की ओर से भी सम्मान पत्र भेंटकर पत्र भेंट किया गया था। वर्ष 1975–76 में आप बीस सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम समिति के सदस्य 1981 से 83 तक जिला इंदिरा कांग्रेस कमेटी , सिवनी के कार्यकारी अध्यक्ष वर्ष 1982 में जिला थोक उपभोक्ता भण्डार के सदस्य रहे । लम्बी बीमारी के पष्चात दिनांक 17 जनवरी 1983 को आपका स्वर्गवास हो गया ।

श्री अभयकुमार जैन –

व्यवसाय से चिकित्सक और अग्रगामी जैसे राष्ट्रीय पत्रों के प्रकाषक, कटनी (म.प्र.) के श्री अभयकुमार जैन, पुत्र श्री बारेलाल का जन्म 1904 में हुआ।[19] आयुर्वेद तथा होम्योपैथी चिकित्सा में महारत प्राप्त श्री जैन 1920 से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये थे । 1930 के जंगल सत्याग्रह में भाग लेने पर आप जबलपुर तथा मंडला जेलों में लगभग साढ़े सात माह

[17] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.29
[18] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ 225
[19] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.29

बंद रहे । 1934 मतें आदर्ष तथा 1938 में अग्रगाम नामक राष्ट्रीय पत्रों का प्रकाषन आपने किया था।

श्री अमीरचंद जैन –

अपनी कविताओं से राष्ट्रीयता की अलख जगाने वाले, मण्डला (म0प्र0) के श्री अमीरचन्द्र जैन उग्रवक्ता और कर्मठ सिपाही रहे हैं । आप अपने अग्रज श्री श्यामलाल जी के साथ आंदोलन में सक्रिय हुए । आषा थी कि श्यामलाल जी के जेल जाने पर आप शान्त हो जावेंगे, पर आप नहीं माने 1941 एवं 1942 के आंदोलनों में आपको जेल यात्रायें करनी पड़ी । 1942 में आप डेढ़ वर्ष जेल में रहे । आप प्रचार सामग्री प्रेस में छापकर दिया करते थे।[20]

श्री अमीरचंद जैन –

जबलपुर (म0प्र0) के श्री अमीरचंद्र जैन, पुत्र श्री कस्तूरचन्द्र का जन्म 1920 में हुआ 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में होषंगाबाद में आप बंदी बना लिये गये । आपने होषंगाबाद तथा अकोला जेल में 2 माह का कारावास भोगा । [21]

श्री अमीरचंद जैन –

बालाघाट म.प्र. के श्री अमीरचंद्र जैन पुत्र श्री फदालीलाल जैन का जन्म 1920 में नरसिंहपुर म.प्र. में हुआ।[22] दस वर्ष की उम्र में ही आप नमक सत्याग्रह के समय मंडला में स्वाधीनता आंदोलन की ओर आकृष्ट हुए 1932 में प्रभातफेरी निकालने के आरोप में आपको बेतों की सजा दी गई । 1941 में लगभग 3 वर्ष जबलपुर जेल में आपने काटे । वनवासी सेवा मण्डल के

[20] जैन संदेश –राष्ट्रीय आंदोलन
[21] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.29
[22] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.170

आप सक्रिय कार्यकर्ता रहे । 1949 के बाद आप नरसिंहपुर से बालाघाट चले गये ।

श्री अमृतलाल चंचल –

राष्ट्रीय गीतों के प्रसिद्ध लेखक श्री अमृतलाल चंचल, पुत्र श्री हजारीलाल का जन्म 9 नवम्बर 1913 को टिमरनी, जिला होषंगाबाद (म0प्र0) में हुआ । बाद में आप गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म0प्र0) आकर बस गये । जब आप इन्टरमीडिएट में अध्ययनरत थे तभी से विद्यार्थी आंदोलन में सक्रिय हो गये । 1932 के आंदोलन में आपने हरदा में सत्याग्रह किया गिरफ्तार हुए और साढ़े सात माह का कारावास भोगा। इटारसी जैन समाज ने कवि भूषण एवं होषंगाबाद समाज ने वाणीरत्न उपाधियों से आपको अलंकृत किया 12 दिसमबर 1987 को आपका निधन हो गया ।[23]

श्री अमृतलाल फणीन्द्र –

बुन्देलखण्ड़ में झरमर, महुआ, जागीर प्रथा विरोध, बेगार मिटाओं, झण्डा सत्याग्रह आदि आंदोलनों के जनक तथा संचालक, छद्म वेष के कारण उदयचन्द्र से अमृतलाल हो गये फणीन्द्र जी का जन्म 2 अक्टूबर 1917 को बड़ागांव (धसान) जिला टीकमगढ म.प्र. में हुआ[24] आपके पिता का नाम खुमान था। म0प्र0 स्वातंत्रता सैनानी के अनुसार उन्होनें लगभग 7 माह का कारावास भोगा । आजादी के पूर्व की एक कविता द्रष्ट्व्य है –दानवता हत्याखोरों की मानवता के पद पकड़ेगी। जो आज झुकाती है ताकत वह झुक सिर पग पर रख देगी नहीं होगा कोई गरीब और सरमायादार नहीं होगें। साम्राज्य नहीं फासिस्ट नहीं देषद्रोही गद्दार नहीं होगें । नहीं

[23] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.137
[24] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.125

उपजेंगी नयनों समक्ष पैषाचिकता की तस्वीरें हो खण्ड खण्ड कड़ कड़ा उठें दुर्दान्त हमारी जंजीरें ।

श्री अमोलकचंद्र जैन –

कद से ठिगने किन्तु भारी भरकम व्यक्तित्व के अधनी खण्डवा (म0प्र0) के श्री अमोलकचंद जैन पुत्र श्री छोटू जैन का जन्म 1 फरवरी 1908 में हुआ [25]। आपने मैट्रिक तक षिक्षा ग्रहण की तथा युवावस्था में ही राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने लगे । आप अनेक वर्षो तक जिला कांग्रेस कमेटी के मंत्री और प्रांत के सदस्य भी रहे । 1942 के आंदोलन में आप एक रात अचानक गिरफ्तार कर लिये गये और खण्डवा और जबलपुर की जेलों में लगभग 1 वर्ष तक रहे ।

श्री अमोलकचंद्र जैन –

श्री अमोलकचंद जैन का जन्म 1916 में रीवा म0प्र0 में हुआ।[26] आपके पिता का नाम श्री लक्ष्मीचंद जैन था आपने माध्यमिक शिक्षा ग्रहण की । आप 1935 से 1942 तक आंदोलनों में सक्रिय रहे । इस दौरान आपने भूमिगत रहकर आंदोलनों को गति प्रदान की । आपने सुचारू रूप से पार्टी का संगठनात्मक कार्य किया और अंग्रेजी सरकार को दिखा दिया कि भारत में रहने वाला प्रत्येक नागरिक देश–प्रेमी है। आपकी अनेक पुस्तकें शासन ने जप्त कर ली । स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात आप व्यावसायिक एवं धार्मिक कार्यो में अपनी रूचि अनुसार संलग्न थे।

[25] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –4 पृ.09
[26] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.255

श्री अयोध्याप्रसाद जैन –

श्री अयोध्याप्रसाद जैन का जन्म 1916 में राजगढ (म.प्र.) में हुआ आपके पिता श्री मोहनलाल जी थे ।[27] आपने 1930 के जंगल सत्याग्रह में भाग लेने के कारण 4 माह 18 दिन का कारावास बिलसपुर जेल में भोगा। पुलिस द्वारा मारपीट किये जाने के कारण हाथ की उंगलियों को क्षति पहुंची । इतना ही नहीं आपको 15 दिन गुनहखाने की सजा भी हुई 30 मई 1996 को आपका निधन हो गया ।

श्री अवन्तीलाल जैन –

अपनी ही नगरी उज्जयिनी में अखवार के हॉकर से नगर पालिका के अध्यक्ष तक की यात्रा तय करने वाले प्रसिद्ध क्रांतिकारी पत्रकार अ0भा0 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठन के सचिव श्री अवन्ती लाल जैन पुत्र श्री रामलाल का जन्म 1 अगस्त 1922 में हुआ[28] 11 वर्ष की उम्र में ही पिता का देहवसान हो गया फलतः माता केशरबाई ने कठिन परिस्थितियों में अवन्तीलाल का भरण पोषण किया ।

श्री अशोक सिंघई –

सागर म.प्र. के श्री अशोक सिंघई पुत्र श्री रज्जू लाल ने सन् 1942 के भारत छोडो आंदोलन में 2 माह का कारावास भोगा।[29]

श्री आनंदराव जैन –

मुलताई जिला बैतूल म.प्र. के श्री आनंदराव जैनपुत्र श्री नारायण राव का जन्म 1914 में हुआ। 1938 में आप ब्रिटिश सेवा छोड़कर आंदोलन में

[27] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –3 पृ.207
[28] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –4 पृ.157
[29] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.08

सम्मिलित हुए । 25 सितम्बर 1941 से एक माह तक आप बैतूल जेल में रहे। 1942 के आंदोलन में भी आप 15 दिन नजरबंद रहे थे।[30]

श्री आनंदीलाल जैन –

इंदौर म.प्र. के श्री आनंदीलाल जैन, पुत्र श्री शैतानमल का जन्म 20 अप्रैल 1926 को हुआ । आपने एम.ए. (अर्थशास्त्र) की उपाधि प्राप्त की स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय कार्यकर्ता रहे श्री जैन को भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया और लगभग 15 माह के कारावास की सजा दी गयी । आपके बडे भाई श्री गेंदालाल जी ने भी जेलयात्रा की ।

श्री इन्द्रमल बाफना –

श्री इन्द्रमल बाफना का जन्म सीतामऊ जिला मंदसौर म.प्र. में 1915 में हुआ[31] आपके पिता का नाम श्री थावरचंद था। आपका कार्य क्षेत्र सीतामऊ स्टेट ही रहा, किन्तु अनेक बार आप स्टेट से बाहर ग्वालियर स्टेट व सुदूर राजस्थान में जाकर भी आंदोलन में भाग लेते रहे। इंदौर रहकर भी आपने आंदोलन में भाग लिया । भारत छोड़ो आंदोलन में आपको गिरफ्तार कर मुंगावली जेल में रखा गया । गांधी जी के चरण चिन्हों पर चलकर बाफना जी लोगों को स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए सदा प्रेरित करते रहे गांव गांव जाकर लोगों को रूढियों से मुक्त कराने नशाबंदी तथा शिक्षा के प्रति रूचि लेने के लिए आप उत्साहित करते रहे।

श्री ईश्वरचन्द्र जैन उर्फ वंशीलाल जैन –

चलती ट्रेन को रोककर उसके इंजन पर राष्ट्रीय ध्वज फराने वाले श्री ईश्वरचन्द्र उर्फ वंशीलाल जैन का जन्म पिपरिया कलां जिला जबलपुर

[30] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.141
[31] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी 4/213

म.प्र. में हुआ।[32] आपके पिता का नाम श्री कन्छेदीलाल जैन था । आप 1930 से ही सविनय अवज्ञा आंदोलन में दादा बद्रीनाथ दुबे के नेतृत्व में सक्रिय हो गये थे। नमक कानून भंग करने के दौरान पुलिस के निर्मम लाठी प्रहार से आपका शरीर लहूलुहान हो गया । जहां आपको दिनांक 30 सितम्बर 1932 से 8 मार्च 1933 तक कठोर यातनायें भोगनी पडी जेल से मुक्त होने पर कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत रहे। मंडलेश्वर एवं जनपद सदस्य भी आप बाद में रहे ।

श्री उत्तम चंद्र जैन

नगर कांग्रेस के मंत्री रहे, पिण्डरई जिला मण्डला म.प्र. के श्री उत्तम चंद्र जैन पुत्र श्री कुन्जीलाल का जन्म 15 फरवरी 1924 मो ग्राम कदवा तहसील बण्डा जिला सागर म.प्र. में हुआ [33]। स्थानीय उच्च नेताओं की प्रेरणा पाकर आप राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय हुए 1941 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में आप गांव गांव जाकर आंदोलन का प्रचार करते रहै 1942 के भारत छोडो आंदोलन में जुलूस निकलवाने क्रांतिकारी नारे लगवाने तथा सरकार विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के कारण आप गिरफ्तार कर लिये गये फलतः 6 माह के कारावास का दण्ड भोगा।

श्री उत्तमचंद्र जैन –

जबलपुर म.प्र. के श्री उत्तमचंद्र जैन, पुत्र श्री मूलचंद ने 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भाग लिया फलतः आप गिरफ्तार कर लिये गये और कारावास में डाल दिये गये । [34]

[32] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.30
[33] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.203
[34] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.31

श्री एन.कुमार जैन –

इटारसी म.प्र. के श्री एन कुमार जैनपुत्र श्री कालूराम जैन का जन्म बाबई (माखननगर) में 4 जनवरी 1913 को हुआ । [35] आपकी शिक्षा मैट्रिक तक हो पाई थी कि स्वतंत्रता आंदोलन की राह में ऐसे निकले कि फिर आगे पढने का नाम ही नहीं लिया । आर्थिक रूप से सम्पन्न परिवार के होने के बावजूद भी आपने युवकों की टोलियों बनाकर गांव गांव जाकर स्वतंत्रता की अलख जगाई बाबई पुलिस थाने और सरकार इमारातों पर तिरंगा फराने के जुर्म में अंग्रेजों ने श्री जैन को 1938 में गिरफ्तार कर 6 माह के लिए होशंगाबाद जेल भेज दिया किन्तु श्री जैन जेल से भी आंदोलन की गतिविधियां चलाते रहे। 15 अगस्त 72 को दल्ली में श्रीमती इंदिरा गांधी ने उन्हें ताम्रपत्र भेट दिया था। 26 जनवरी 1975 को बम्बई में आपका देहावसान हो गया।

श्री कंचनलाल जैन –

सागर म.प्र. के श्री कंचनलाल जैन पुत्र श्री छोटेलाल जैनका जन्म 1924 में हुआ [36] 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने 6 माह का कारावास भोगा ।

श्री कन्छेदीलाल डेरिया–

बाबई जिला होशंगाबाद म.प्र. के श्री कन्छेदीलाल डेरिया, पुत्र श्री मन्नूलाल डेरिया का जन्म वि0सं0 1952 (1895) में हुआ[37] 1920 से आप कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता बन गये । 1942 के व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में आप होशंगाबाद जेल में 15 दिन नजरबंदरहे । 1942 के

[35] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी 5/325
[36] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.10
[37] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.326

आंदोलन में भीआपने जेल यात्रा की थी। 18 वर्ष की उम्र से ही आंदोलन में सक्रिय रहे डेरियानी का निधन कार्तिक शुक्ल 3 वि0सं0 2036 (सन् 1979) में हो गया । आपके पुत्र श्री पन्नालाल डेरिया व भाई श्री बाबूलाल डेरिया भी जेलयात्री रहे है।

सिंघई श्री कन्छेदीलाल जैन –

सिंघई कन्छेदीलालजैन पुत्र श्री गल्लीलाल जैन का जन्म 1920 में तेदूखेडा जिला नरसिंहपुर म.प्र. में हुआ ।[38] प्राथमिक कक्षा में अध्ययन के समय ही आप राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पडे और 1930 के आंदोलन में भाग लिया 1942 के आंदोलन में आपने सत्याग्रह किया और गिरफ्तार हुए । आपने लगभग 10 माह का कारावास नरसिंहपुर होशंगाबाद मण्डला एवं जबलपुर की जेलों में काटा देश की आजादी के बाद सेठ गोविन्ददास जी के हाथों आपने ताम्रपत्र प्राप्त किया। 21 सितम्बर 1996 में आपका देहावसान हो गया ।

श्री कन्छेदीलाल जैन –

वण्डा जिला सागर म.प्र. निवासी श्री कन्छेदीलाल जैन पुत्र श्री रामलाल ने 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भाग लिया व 14 माह का कारावास भोगा आपका निधन 1972 में हो गया ।

श्री कन्हैयालाल नागौरी –

श्री कन्हैयालाल नागोरी पुत्र श्री नथमल नागोरी का जन्म 6 फरवरी 1921 को जमुनियां कला जिला मंदसौर म.प्र. में हुआ। आपने 21 वर्ष की युवाआयु में स्वतंत्रता सेनानी बद्रीदत्त भट्ट के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन में लाग लेना शुरू किया । श्री जगदीश ऐरन, दशरथ लाल नागर,

[38] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.137

बलदेवदास बैरागी, भागीरथ जी पाटीदार आदि युवा साथियों सहित जुलूस निकालना सांमतशाही और अंग्रेजों के विरूद्ध नारे लगाना पोस्टर लगाना सूचनाऐं प्रसारित करना आदि आपके प्रमुख काम थे। 1942 के आंदोलन में वरिष्ठ नेताओं के गिरफ्तार हो जाने के कारण नागोरी जी अपने युवादल द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को चालू रखे रहे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी आपने जनजागरण में स्वंय को सक्रिय रखा। आप 1972–77 तक जावद क्षेत्र के विधायक रहे ।

श्री कन्हैयालाल परमहंस –

इंदोर म.प्र. के श्री कन्हैयालाल परमहंस पुत्र श्री नंदराम जैन का जन्म 25 सितम्बर 1915 को हुआ । 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने सक्रिय भाग लिया एवं 15 माह 9 दिन का कारावास भोगा ।

श्री कन्हैयालाल जैन –

जबलपुर म0प्र0 के श्री कन्हैयालाल जैन पुत्र श्री नारायण जैन का जन्म 1904 ई में हुआ[39] आपने मैट्रिक तथा शिक्षा ग्रहण की । 1930 से ही आप स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये थे। 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने भाग लिया फलतः गिरफ्तार हुये और जबलपुर जेल में 8 माह का कारावास भोगा ।

श्री कन्हैयालाल उर्फ मथुरालाल जैन –

इंदौर म.प्र. के श्री कन्हैयालाल उर्फ मथुरालाल जैन पुत्र श्री रूपचंद का जन्म 2 जुलाई 1930 को हुआ । 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने भाग लिया फलतः 2 माह की अवधि तक गिरफ्तार रहे । आजादी के बाद शासन ने आपको प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया ।

[39] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –4 पृ.12

श्री कपूर चंद जैन –

गढाकोटा जिला सागर म.प्र. के श्री कपूरचंद्र जैन पुत्र श्री दरबारीलाल जैन 1942 के भारत छोडो आंदोलन में 15 दिन नजरबंदी में रहे ।[40]

डॉ. कपूरचंद्र जैन –

सागर म.प्र. के डॉ. कपूरचंद जैन पुत्र श्री नन्हे लाल का जन्म 1919 में हुआ ।[41] आपने नागपुर में मेडीकल कॉलेज में अध्ययन के समय शासकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फैराया फलतः नागपुर में 15 दिन नजरबंद रहे । राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने के कारण शासकीय सेवासे भी आप वंचित रहे।

डॉ. कपूर चंद जैन –

सागर म.प्र. के श्री कपूरचंद्र जैन पुत्र श्री हीरालाल जैन का जन्म 1924 में हुआ । प्राथमिक शिक्षा ग्रहण कर आप 1942 के भारत छोडो आंदोलन में सक्रिय हो गये ओर 6 माह का करावास भोगा ।[42]

श्री कपूरचंद्र जैन चौधरी –

श्री कपूरचंद्र चौधरी पुत्र श्री दरबारी लाली चौधरी का जन्म दमोह म. प्र. में 16 अक्टूबर 1916 को हुआ । आपके चाचा श्री भैयालाल चौधरी दमोह में स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख रहे है, जिनकी कलकत्ता कांग्रेस मीटिंग से लौटते समय हत्याकर दी गई थी। डिक्टेटर के रूप में भाषण

[40] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.11
[41] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.14
[42] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.4

देते हुए आप गिरफ्तार कर लिये गये और दिनांक 15 अगस्त 1942 को जबलपुर जेल भेज दिये गये जहां आपको नाना साहब गोखले श्री के.देशमुख राजैनद्रप्रसाद मालपाणी छक्कीलाल गुप्ता जनरत आवारी जैसे नेताओं के सम्पर्क में रहने का अवसर मिला । सरकारी अभिलेखों के आधार पर आपको दो वर्ष छः माह के कारावास की सजा भुगतनी पडी ।

श्री कमलचंद्र जैन –

श्री कमलचंद जैन पुत्र श्री चम्पालाल जैन का जन्म 4 नवम्बर 1916 को सनावद जिला पश्चिमत निमाडा म.प्र. में हुआ आपेन बी.ए., एल.एल.बी इंदौर से की । मजिस्ट्रेट के सामने मुकदमा चला और 33 साथियों को धारा 147, 224, 353, भा0द0वि. के अंतर्गत 2–2 वर्ष की साथ साथ चलने वाली सश्रम सजा हुई।

श्री कमलाकांत जैन –

थांदला जिला झाबुआ म.प्र. के श्री कमलाकांत जैनपुत्र श्री टेकचन्द्र जैन का जन्म 1912 में हुआ ।[43] माध्यमिक तक शिक्षा प्राप्त श्री जैन 1934 से ही स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हो गये थे 1942 के आंदोलन में गिरफ्तारी के पश्चात आप राज्य से निष्कासित कर दिये गये । शासन ने ताम्रपत्र देकर आपको सम्मानित किया है।

श्री कल्याणदास जैन –

सतना म.प्र. के श्री कल्याणदास जैन का जन्म 1904 में हुआ । आपके पिता श्री लखपतराय जैन थे। श्री जैन ने माध्यमिक तक शिक्षा प्राप्त की स्वतंत्रता आंदोलन के आप वीर सिपाही रहे । 1930 के आंदोलन में

[43] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –4 पृ.137

आप सक्रिय रहे । देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत श्री जैन ने 2 वर्ष का कारावास व 100 रू के अर्थदण्ड की सजा भोगी ।

श्री कस्तूरचंद जैन –

श्री जैन का जन्म 1912 के चैत्र महीने में हुआ पिता का नाम श्री कन्हैयालाल जैन था । आपने बताया कि श्री गंधू गौड तथा गिरधारी लाल सोनी की प्रेरणा से 1929–30 में आप स्वाधीनता आंदोलन में कूद पडे 1942 में डिण्डोरी से गोरखपुर रोड पर 5 वे मील पर धावाधार एवं कुकुरामठ केआसपास आप गिरफ्तार कर लिये गये । कुकुरामठ में आपने भाषणबाजी ओर कांग्रेस का प्रचार किया था तिरंगा झंडा आपके हाथ में था और लोग भी गिरफ्तार हुए थे जिनमें एक कोल आदिवासी भी था आप तीन दिन डिण्डोरी जेल में रहे। आपने तितराही पाटन वल्लापुर आदि ग्रामों में स्वतंत्रता का प्रचार किया था। लगान न देने का प्रचार करने के कारण भी आप अनेक बार गिरफ्तार होते होते बचे थे।

श्री कस्तूरचंद जैन–

श्री कस्तूरचंद जैन के पिता का नाम श्री पूर्णचंद जैन था। आपका जन्म सागर म.प्र. में हुआ 1932 के सत्याग्रह में आप अहमदाबाद में गिरफ्तार हुए थे सागर के स्वतंत्रता सेनानियों की सूची में आपका नाम दर्ज है। आपके अनुज श्री पदम कुमार जैन सराफ सागर सक्रिय सेनानी रहे है ।

श्री कामताप्रसाद शास्त्री –

दमोह म.प्र. के श्री कामता प्रसाद शास्त्री पुत्र श्री मूलचंद जैन का जन्म 1.1.1915 ई. को हुआ[44] मिडिल पासकर आपने कटनी के प्रसिद्ध जैन विद्यालय में अध्ययन किया अनन्तर वनारस के जैन क्रांतिकारियों के गढ स्याद्वाद्व महाविद्यालय में अध्ययनार्थ चले गये और वहां से शास्त्री पास कर लौटे ।पिण्डरई (जिला मण्डला) में जंगल कटवाने ओर जैसीनगर में कोतवाली जलाने के प्रयास में 4 नवम्बर 1942 को आप गिरफ्तार कर सागर जेल भेज दिये गये । अतः आपको जबलपुर जेल स्थानान्तरित कर दिया गया । जेल से आने के बाद भी आप सभी आंदोलनों में भाग लेते रहे व कांग्रेस के सक्रिय सदस्य रहे। सम्प्रति शास्त्री जी धार्मिक गंथो के अध्ययन में संलग्न थे।

श्री कालूराम जैन –

रहली, जिलासागर म.प्र. निवासी श्री कालूराम जैन पुत्र श्री टुण्ड ने 1932 के आंदोलन में 4 माह का कारावास भोगा था 1972 में आपका निधन हो गया ।

सिंघई कालूराम जैन –

सिंघई कालूराम जैन पुत्र श्री दरबारीलाल जैन का जन्म 1897 में पाटन जिला जबलपुर म.प्र. में हुआ[45] पाटन में आपने 1930 से 1934 तक सविनय अवज्ञा आंदोलन के कार्यक्रमों एवं राष्ट्रीय महासभा के प्रसार में योग दिया । आप 1942 की जनक्रांति के दौरान गिरफ्तार किये गये और केन्द्रीय कारागार में दिनांक 12 अगस्त 1942 से जनवरी 1944 तक बंदी रखे । 1945 में आप पाटन आ गये और तहसील कांग्रेस के अध्यक्ष हुये । आपकी मृत्यु 51 वर्ष की आयु में एक आकस्मिक रोग से दिनांक 29 फरवरी 1948 को हो गयी ।

[44] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –2 पृ.80
[45] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.116

सिंघई कुन्जीलाल जैन –

शाहगढ जिला सागर म.प्र. के श्री सिंघई कुन्जीलाल जैन 1918 से कांग्रेस के कार्यो में सदैव भाग लेते रहे पांच साल तक कांग्रेस कमेटी के सभापति रहे । आप 1930 में एक साल के लिये जेल यात्री रहे व 1932 में भी जेल गये, जिसमें छह मास का कारावास व 200 रूपये जुर्माना हुआ था।

श्री कुन्दनलाल जैन –

दमोह म.प्र. के श्री कुन्दनलाल जैन पुत्र श्री सिंघई छोटेलाल 1930 से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये थे 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने जबलपुर में भाग लिया परिणामतः जबलपुर जिले से निष्कासित किये गये आपने 1 वर्ष 7 माह का कारावास भोगा । 65 वर्ष की आयु में आपका स्वर्गवास हो गया ।

श्री कुन्दनलाल जैन नायक –

देवरी जिला सागर म.प्र. निवासी श्री कुन्दनलाल जैनपुत्र श्री मिटठूलाल जैन का जन्म 1914 में हुआ। 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने 13 माह काकारावास सागर जेल में भोगा आप सच्च गांधीवादी और खद्दरधारी थे । विनोबाजी के भूदान आंदोलन में आपने 2 एकड जमीन दान में दी थी। आप जीवनपर्यन्त सर्वोदय से जुडे रहे । 1969 में आपका निधन हो गया।

श्री कुन्दनलाल समैया (जैन)

जबलपुर नगर कांग्रेस कमेटी के मंत्री व कोषाध्यक्ष रहे श्री कुन्दनलाल समैया (जैन) पुत्र श्री खूबचंद्र जैन का जन्म 1919 में बीना

(सागर) म.प्र. में हुआ।[46] सत्याग्रह आंदोलनों को गतिमान बनाने के लिए छोटे बालकों की वानर सेना के साथ आप 1930 से ही सक्रिय हो गये थे । 1932 में सत्याग्रह करते हुये गिरफ्तार किये गये व 3 माह जेल में रहे । 1942 के भारत छोडो आंदोलन में गाडरवारा में गिरफ्तार किये गये तथा लगभग डेढ़ वर्ष तक जेल में रहे । नेशनल स्काउट्स के सदस्य के रूप में उसके राष्ट्रीय कार्यो में सहयोगी रहे। 1939 में हुई त्रिपुरी कांग्रेस में निष्ठापूर्वक स्वयंसेवक का कार्य आपने किया था।[47]

श्री कुसुम कान्त जैन –

भारतीय संविधान सभा, भारतीय परिषद एवं मध्य भारत विधान सभा के सदस्य रहे श्री कुसुम कान्त जैन का जन्म 23 जुलाई, 1921 को थांदला, जिला झाबुआ (म0प्र0) में हुआ।[48]श्री जैन की प्रारंभिक शिक्षा धर्मदास जैन विद्यालय में हुई। यहाँ प्रधान अध्यापक श्री बालेश्वर दयाल थे, जो परम राष्ट्रभक्त थे, और जिन्होनें आदिवासियों के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बालक कुसुम कान्त के कोमल मन में राष्ट्र–प्रेम का बीजारोपण किया जो कालान्तर में एक लहलहाते पौधे के रूप में परिवर्तित हो गया। यही कारण था जब 1936 में ब्रिटिश सम्राट की रजत जयन्ती स्कूल में धूमधाम से मनाने का आदेश लेकर अंग्रेज पोलिटिकल एजैनट थांदला पहुँचा तो श्री जैन ने साहस से आगे बढ़कर उसका प्रबल विरोध किया व रजत जयन्ती का बहिष्कार करने हेतु विद्यार्थियों को संगठित किया, परिणाम स्वरूप आपको थांदला छोड़ना पड़ा। कोप का शिकार आपका परिवार ही नहीं बना बल्कि विद्यालय को भी ब्रिटिश सीमा के बाहर जाना पड़ा। आपका अध्ययन अस्त–व्यस्त हो गया । इन्हीं मुसीबतों के बीच

[46] मध्यप्रदेश स्वतत्रता सैनानी भाग–1 पृ. 35
[47] स्वतंत्रता संग्राम जैन पृ–89
[48] मध्यप्रदेश स्वतत्रता सैनानी भाग–4 पृ. 14

श्री जैन ने ''हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग'' का विशारद परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।[49]

श्री केवलचंद्र जैन –

पिण्डरई, जिला मण्डला म.प्र. के श्री केवलचंद्र जैन पुत्र सेठ मुलायमचंद जैन का नाम तत्कालीन रईसों में गिना जाता था, पर अपने काम की परवाह न कर केवलचंद्र जी ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में खुलकर भाग लिया। गिरफ्तार हुए और मण्डला जेल में 6 माह का कारावास आपको भोगना पड़ा आपको 14 दिन की गुनहखाने की भी सजा मिली थी। रईस होते हुए भी आपने अपने साथियों के साथ बी.और सी. क्लास जेल में रहना ही पसन्द किया था।[50]

श्री केवलचंद्र जैन

गौरझामर, जिला सागर म.प्र. के श्री केवलचंद जैन पुत्र श्री हीरालाल का जन्म 1911 में हुआ । 1942 के भारत छोडों आंदोलन में आपने लगभग 8 माह का कारवास भोगा। [51]

श्री केशरीमल जैन –

इच्छावर जिला सीहोर म.प्र. के श्री केशरीमल जैन पुत्र श्री भंवरलाल जैन का जन्म 01 जौलाई 1925 को हुआ इण्टर मीडियेट साहित्यरत्न आदि उपाधिधारी श्री जैन ने भोपाल विलीनीकरण आंदोलन में भाग लिया एवं

[49] श्री कुसुमकान्त जैन– अभिनन्दन स्मारिका, अनेक प्रमाण पत्र, सम्मान पत्र आदि
[50] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृ. 204
[51] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृ.14

13.जनवरी 1949 से 06 फरवरी 1949 तक कारावास की कठोर यातनायें भोगी।[52]

श्री कैलाशचंद्र जैन –

बांदरी जिला सागर म.प्र. निवासी और खुरई प्रवासी श्री कैलाशचंद्र जैन पुत्र श्री मूलचन्द्र जैन का जन्म 1917 में हुआ आपने भारत छोडो आंदोलन में भाग लिया और 19 सितम्बर 1942 से 24 दिसम्बर 1942 तक का कारावास भोगा । शासन ने आपको सात एकड जमीन प्रदान की है।[53]

श्री कोमलचंद्र जैन

श्री कोमलचंद्र जैन पुत्र श्री ईश्वरीप्रसाद जैन का जन्म 1918 में जबलपुर म.प्र. में हुआ। 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आप गिरफ्तार कर लिये गये और 9 माह जेल में रखे गये ।[54]

श्री कोमलचंद्र जैन –

श्री कोमलचंद्र जैन पुत्र श्री उदयचंद्र जैन का जन्म 1930 में जबलपुर म.प्र. में हुआ 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में 12 वर्ष की आयु में आपने भाग लिया तथा 20 दिन जबलपुर जेल में काटे।[55]

श्री कोमलचंद्र जैन –

छतरपुर म.प्र. के श्री कोमलचंद्र जैन पुत्र श्री खूबचंद्र जैन का जन्म 1916 में हुआ। आपने नमक सत्याग्रह तथा 1942 के भारत छोडो आंदोलन

[52] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृ. 39
[53] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग –2 पृ.14
[54] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग –1 पृ.37
[55] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग –1 पृ.37

में भाग लिया । 1942 में 21 अगस्त को आप गिरफ्तार हुए एवं 18 जनवरी 1943 तक जबलपुर जेल में रखे गये ।[56]

श्री कोमलचंद्र जैन –

श्री कोमलचंद्र जैन पुत्र श्री खेमचंद्र जैन का जन्म 5 जुलाई 1920 को करेली जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) में हुआ। आठवी तक शिक्षा ग्रहण कर आप स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये 1942 में एक वर्ष का कारावास आपने होशंगाबाद एवं जबलपुर सेन्ट्रल जेल में भोगा 1973 में आपका निधन हो गया।[57]

श्री खुमान जैन –

दलपतपुर, जिला सागर म.प्र. निवासी श्री खुमान जैन पुत्र श्री आधार ने भारत छोड़ो आंदोलन में 4 माह का कारावास काटा। 1960 में आपका निधन हो गया ।

सिंघई (दादा) खूबचंद्र जी खादी वाले –

दादा जी का जन्म 1907 में जबलपुर में हुआ । आपके पिता का नाम श्री छबलाल था 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भूमिगत कार्यकर्ताओं से सम्पर्क रहा और उनकी हर तरह से सहायता आपने की तथा आंदोलन को उग्र बनाये रखने के लिये प्रेरक परचे छपवाकर वितरित किये। भूमिगत रहे श्री सत्येन्द्र मिर की सलाह पर छोटे फुहारे पर निषेधाज्ञा भंग करके सभा की अध्यक्षता कर उसे संबोधित करते हुए आप पकडे गये। पुलिस द्वारा शारीरिक यातनायें दी गई तथा अर्थदण्ड सहित एक वर्ष की सजा हुई। आजादी के बाद आप कांग्रेस के अनन्य भक्त रहे। धार्मिक और

[56] मध्यप्रदेश स्वाधीनता सैनानी भाग–2 पृ. 107
[57] मध्यपद्रेश स्वाधीनता सैनानी भाग –2 पृ.138

सामाजिक कार्यो में योगदान करना आपका स्वभाव था। आपका निधन 1990 में हो गया।

श्री खूबचंद्र जैन डेवडिया –

शाहगढ़ जिला सागर म.प्र. के श्री खूबचंद डेवडिया पुत्र श्री मंगली प्रसाद का जन्म 27 जुलाई 1923 को हुआ 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भाग लिया तथा 21 सितम्बर 1942 से 5 नवम्बर 1942 तक नजरबंद रहे । 2 अक्टूबर 2002 को आपका देहावसान हो गया ।

श्री खूबचंद्र बैसाखिया –

रहली, जिला सागर म.प्र. निवासी श्री खूबचंद बैसाखिया, पुत्र श्री भोलानाथ बैसाखिया ने 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भाग लिया व 9 माह का कारावास भोगा । अपका निधन 1964 में हो गया ।

श्री खेमचंद जैन –

पिण्डरई जिला मण्डला म.प्र. के श्री खेमचंद जैन पुत्र श्री मुन्नालाल का जीवन आजादी का अलख जगाते बीता। हर समय हर काम को तैयार खेमचंद जीसदैव रचनात्मक कार्येासे जुड़े रहे। 1942 के भारत छोडों आंदोलन में आपने खुलकर भाग लिया, तोड़ फोड़ की गिरफ्तार हुए और 2 वर्ष 6 माह की कठोर कैद तथा 100/– रूपये का अर्थदण्ड आपको भोगना पड़ा जेल में भी कठोर से कठोर यातनायें आपको दी जाती रहीं पर आप झुके नहीं।[58]

श्री खेमचंद्र जैन 'स्वदेशी'

पिता की स्वदेशी भावना के कारण जिनका वंश ही स्वेदशी कहलाने लगा, ऐसे ही खेमचंद स्वदेशी पुत्र श्री मोहनलाल स्वदेशी का जन्म

[58] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृ. 205

6.8.1923 को तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर म.प्र. में हुआ आप त्रिपुरी कांग्रेस के अधिवेशन से स्वतंत्रता संग्राम मेंसक्रिय हो गये थे राष्ट्रीय सत्याग्रह के लिये आपने जनमत तैयार किया । आपने केसली से 60 किमी. पदयात्रा कर तहसील रहली, जिला सागर लाया गया और रहली अदालत ने मुझे 4 माह की बड़ी कैद की सजा तथा 10/– रूपये अर्थदण्ड दिया । सागर जेल में कठोर यातनायें हंसते हंसते झेलीं। पुलिस की मार से सिर फूट गया था उस समय मेरी आयु 18 वर्ष की थी।[59]

श्री गंगाधर जैन –

श्री गंगाधर जैन का जन्म 1909 में प्रभात पट्टन जिला बैतूल म.प्र. में हुआ । आपके पिता का नाम श्री बाला जी था। आपने कक्षा 4 तक शिक्षा ग्रहण की 1930 के देशव्यापी कांग्रेस आंदोलन में बड़े ही उत्साहपूर्वक आपने भाग लिया 1 वर्ष की कडी सजा एवं 75 रूपये के अर्थदंड की सजा आपको मिली जिसे आपने सहर्ष स्वीकार कर लिया। आपमें देशभक्ति की भावना कूट कूट कर भरी थी। [60]

श्री गटोलेलाल भायजी –

भायजी उपनाम से विख्यात सागर म.प्र. के श्री गटोलेलाल ने अहमदाबाद कांग्रेस में बीना के प्रतिनिधि के रूपा में भाग लिया 1929 में रल्वे सत्याग्रह में भाग लेने के कारण आपने 15 दिन की जेल यात्रा की । उस समय जेलों मे राजनैतिक कैदियों के साथ इतना कड़ा व्यवहार कियाजाता था कि 20 सेन (किलो) अनाज पीसने के बाद भी आपको प्रतिदिन गुनाहखाने में बंद कर दिया जाता था । 1942 के आंदोलन में भी आपने एक वर्ष का कारावास होगा।

[59] मध्यप्रदेश स्वतंतत्रता सैनी भाग –1 पृ. 139
[60] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –5 पृ.150

श्री गनेशीलाल जी बाबा–

बाबा उपनाम से प्रख्यात श्री गनेशीलाल जी बीना म.प्र. निवासी थे 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में आप तीन बार जेल गये बीना के आप प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक थे। लगातार जेल यात्रा ने आपका स्वास्थ्य चौपट कर दिया । तीसरी बार जेल से रिहा होने के थोड़े की दिन बाद हृदयगति अवरूद्ध हो जाने के कारण आपका स्वर्गवास हो गया ।

श्री गिरधारीलाल सेठ –

गांव का गांधी नाम से विख्यात गढ़ाकोटा जिला सागर म0प्र0 के श्री गिरधारी लाल सेठ पुत्र श्री हजारीलाल 18 वर्ष की उम्र से ही स्वतंत्रता संग्राम में सकिय हो गये थे।[61] 1921 में आपने ही गढा कोटा में ग्राम कांग्रेस कमेटी की स्थापना की थी। 1930 में नमक आंदोलन में आपने प्रतीक स्वरूप पानी से नमक वनाकर कानून भंग किया थ, फलतः एक वर्ष के कारावास की सजा पाई। 1932 में 3 माह के कारावास तथा 70 रूपये का अर्थदण्ड आपने भोगा अर्थ दण्ड न देने पर 45 दिन के अतिरिक्त सजा भोगनी पडी । 1942 के आंदोलन में 23 अगस्त 1942 को आप गिरफ्तार कर लिये गये तथा सागर जबलपुर आदि की जेलों में रखे गये । मई 1943 में आप मुक्त हो सकें। पूज्य बापू क`सिद्धांतों के अनुरूप जीवन यापन करने के कारण लोग आपको 'गांव का गांधी' कहाकर पुकारते थे।[62] 1957 में आप गढा कोटा नगर समिति के अध्यक्ष निर्वाचित हुये। इस प्रकार इस वंश की राष्ट्र भक्ति प्रख्यात है। श्री दयाराम रायकवाड गढा कोटा ने

[61] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी, भाग–2 पृष्ठ 19
[62] पुत्र सेषदयाचन्द्र ताराकोटा द्वारा प्रेषित परिचय ।

गिरधारी जी पर 'आल्हा –ऊदल शैली में लम्बी कविता लिखा है। 30 जनवरी 1970 को गिरधारीलाल जी का निधन हो गया।[63]

डॉ. गुलाबचन्द्र चौधरी –

जैन विद्याओं के सुप्रसिद्ध अध्येता डॉ. गुलाब चन्द्र चौधरी का जन्म 2 अक्टूबर 1915 को ग्राम सिलोंडी जिला जबलपुर (म0प्र0) में हुआ। बचपन में ही आपका एक पैरा खराब हो गया था। आपके कटनी तथा बाराणसी की सुप्रसिद्ध जैन शिक्षण संस्थाओं में न्यायतीर्थ, व्याकरणतीर्थ, व्याकरणाचार्य, साहित्यरत्न तथा एम0ए0 आदि उपाधियाँ प्राप्त की। 1954 में आप पी.एच. डी. की उपाधि से अलंकृत हुये।[64] भारतीय इतिहास पर आपने अनेक पुस्तकें लिखी, जिनमें पालिटिकल हिस्ट्री ऑफ जार्दन इंडिया फ्रांम जैना सोर्सेज, सबसे महत्वपूर्ण है। चौधरी जी ने नालंदा, वैशाली, दरभंगा, आदि में उच्च शैक्षणिक पदों पर रहकर अध्यापन कार्य किया तथा अनेक शोधार्थियों के निदेशक पद पर रहते हुये सेवाकाल में ही दिवंगत हुयें। आप पालि–प्राकृत के विश्व विश्रुत विधान थे।

श्री गुलाबचंद जैन –

सागर म.प्र. के श्री गुलाबचंद जैन पुत्र श्री नानूराम जैन का जन्म 1920 में हुआ। आप प्राथमिक तक शिक्षा ग्रहण कर 1942 के भारत छोडो आंदोलन में सक्रिय हो गये आपने बम बनाने में सहयोग दिया गिरफ्तार हुये व 3 वर्ष का कारावास तथा 100/– रूपये का अर्थदण्ड भोगा बाद में आप जबलपुर प्रवासी हो गये।

श्री गुलाबचंद्र जैन 'वैद्य' –

[63] अनाम स्मारिका तथा समाचार पत्रों की फोटोकांपी ।
[64] वि0अ0पृ0 243–244

श्री गुलाबचंद जैन ढाना जिला सागर म.प्र. के निवासी है। आपके पिता का नाम श्री वलजूराम था अपना परिचय देते हुए आपने लिखा है कि मैं राष्ट्रप्रेम की पवित्र भावना से प्रेरित होकर राष्ट्रीय कांग्रेस से सन् 1930 से ही जुड गया था। परन्तु सक्रिय कार्य करने का मौका 1941–42 के दौरान मिला।

श्री गुलाबचंद जैन 'हलवाई'

हलवाई उपनाम से विख्यात श्री गुलाबचंद जैन पुत्र श्री वृन्दावन का जन्म 1920 में पिण्डरई जिला मण्डला म.प्र. में हुआ । 1940 के व्यक्तिगतसत्याग्रह में आपने सक्रिय भाग लिया पर गिरफ्तार नहीं किये जा सकें, पर 1942 के आंदोलन में तोड फोड करने के कारण आप गिरफ्तार कर लिये गये और 2 वर्ष 4 माह का कारावास भुगतना पड़ा आपके अग्रज श्री मुलायमचंद जैन भी 2 सितम्बर 1942 से 1 मार्च 1943 तक जेल में रहे।

श्री गुलावचन्द्र तामोट –

'तामोट' उपनाम से विख्यात म0प्र0 सरकार में अनेक वर्षो तक मंत्री तथा विधायक रहे श्री गुलाब चन्द्र जैन, पुत्र श्री मूलचन्द्र जैन का जन्म ग्राम – तामोट जिला रायसैन (म0प्र0) में 8 मई 1923 को हुआ।[65] जब आप 19 वर्ष के थे तभी पिताजी का साय सर से उठ गया। पिताजी काश्तकारों को बीज देने और फसल आने पर सवाया लेने का कारोबार करते थे । वे तामोट के जमीदार थे। गुलावचन्द्र जी बचपन से ही स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गये थे। पिता की मृत्यु के बाद एक दिन उन्होनें आसपास के सभी

[65] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग–5 पृ. 71

कर्जदारों को बुलाया और कहा– 'आज से न आप मेरे कर्जदार और न मैं साहूकार' ऐसा कहकर वहीं (उधारी लेन–देन की पंजिका) में आग लगा दीं। कृतज्ञ ग्राम वासियों ने कहा– आज से आप हमारे गांव की सबसे बड़ी धरोहर है? आप गुलाबचन्द्र जैन के नाम से ही गांव के नाम पर गुलाबचन्द्र तामोट के नाम से जाने जायेगें। इस प्रकार के जैन से तामोट हो गये।

श्री गुलाबचंद सिंघई –

दमोह म.प्र. के श्री गुलाबचंद सिंघई पुत्र श्री राजाराम का जन्म 1923 में हुआ । आपने माध्यमिक तक शिक्षा ग्रहण की ।आप विद्यार्थी जीवन से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये थे 1942 के भारत छोडो आंदोलन में जबलपुर और सागर में 9 माह 10 दिन का कारावास तथा 50/– रूपये का अर्थदण्ड आपने भोगा ।

श्री गुलाबचंद सेठ–

पिण्डरई जिला मण्डला म.प्र. के श्री गुलाबचंद सेठ ग्राम के प्रतिष्ठित व्यक्ति रहे पर देश प्रेम के कारण आप आजादी की लड़ाई में कूद पड़े और 1942 के आंदोलन में 6 माह की जेल यात्रा की ।

श्री गेंदमल पोखरना –

श्री गेंदमल पोखरना (ओसवाल) का जन्म रामपुरा जिला मंदसौर म.प्र. में हुआ श्री रामलाल पोखरना श्री मधुप श्री रामबिला किशनलाल पोरवाल आदि आपके प्रमुख साथियों में से थे इन्होनें इंदौर तथा रामपुरा दोनों स्थानों पर आंदोलन में भाग लिया । अनेक बार पुलिस की मार खाई, किन्तु प्रदर्शन करने में कभी पीछे नहीं रहे। पोखरना जी को भारत छोड

आंदोलन के मध्य इंदौर में गिरफ्तार किया गया व सेन्ट्रल जेल इंदौर में रखा गया ।

श्री गेंदालाल जैन –

इंदौर म.प्र. के गेंदालाल जैन पुत्र श्री बिरदीचंद जैन का जन्म 1 मार्च 1927 को हुआ। 1942 में आजादी के आंदोलन में भाग लेने पर दिनांक 23 फरवरी 1943 से 23 जून 1943 तक आपको इंदौर जेल में रखा गया ।

श्री गेंदालाल जैन –

इंदौर म.प्र. के श्री गेंदालाल जैन पुत्र श्री शैतानमल जैन का जन्म 28 जून 1918 को हुआ। 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने सक्रिय योगदान दिया ।आंदोलन के दौरान ही आपको गिरफ्तार कर लिया गया और 9 सितंबर 42 से 25 जनवरी 43 तक के कारावास की सजा आपको दी गई आपके अनुज श्री आनन्दी लाल ने भी जेल यात्रा की थी।[66]

श्री गोकुलचंद सेठी –

बैतूल म.प्र. के श्री गोकुलचंद सेठी पुत्र श्री धनराज गोठी का जन्म 1 सितम्बर 1918 को हुआ भारत छोडो आंदोलन में आपने 24 सितम्बर 1942 से जून 1945 तक का कारावास भोगा।

श्री गोकुलचंद जैन –

सिलवानी जिला रायसेन म.प्र. के श्री गोकुलचंद जैन पुत्र श्री जवाहरलाल जैन काजन्म 1918 में हुआ। 1949 के भोपाल राज्य विलीनीकरण आंदोलन में आपने भाग लिया तथा एकमाह केकारावास कीसजा भोगी ।

[66] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–4 पृ.18

श्री गोकुलचंद जैन –

जबलपुर म.प्र. के श्री गोकुलचंद जैन, पुत्र श्री नोखेलाल ने 1932 के आंदोलन में भाग लिया तथा 5 माह के कारावास एवं 30 रूपये अर्थदण्ड की सजा पाई ।

श्री गोकुलचंद सिंघई–

दमोह म.प्र. के श्री गोकुलचंद सिंघई वकालत का व्यवसाय करते थे उन पर अमर शहीद चौधरी भैयालाल का बडा प्रभाव था।कहा जाता है कि 1916 में अंग्रेज पुलिस कप्तान दमोह जेल के सामने पुलिस लाईन के बगल के बंगले में रहता था उसने आदेश निकाला कि इस रोड से कोई बैलगाडी नहीं निकलेगी। हमारी नींद में बाधा आती है सिंघई जी ने उसका विरोध किया, कई आम सभायें की, जिससे वह अफसर इनका दुश्मन बन गया और आपको मार डालने के लिए एक भयंकर अपराधी को जेल से मुक्त कर दिया। दूसरे दिन जब सिंघई जी साईकिल पर उस रास्ते से जा रहे थे, तब उस कैदी ने उन्हें रोका और पैर पकड़कर कप्तान का हुक्मनामा सुनाकर क्षमा मांगी यह सिंघई जी के व्यक्तित्व का ही प्रभाव था अंत में वह रास्ता हर प्रकार के वाहनों केलिए खोल दिया गया ।

श्री गौतम प्रसाद गिल्ला –

स्वयं सेवक के रूपा में स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी निभाने वाले बाबई जिला होशंगाबाद म.प्र. के श्री गोतमप्रसाद गिल्ला, पुत्र श्री कन्हैयालाल जैन का जन्म 1 जनवरी 1920 में हुआ । 1938 से ही आप आंदोलन में सक्रिय हो गये 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह के दौरान भोजन व्यवस्था का भार आप पर डाला गया । आपने श्री प्यारेलाल गुरू व डेरिया

जी के साथ शराब बंदी किसान [67]संगठन आदि रचनात्मक कार्यो में भाग लिया।

श्री चन्दनमल जैन –

श्री चन्दनमल जैन पुत्र श्री फतेहचंद जैन का जन्म राजगढ म.प्र. में हुआ । आपने कक्षा 8 तक शिक्षा प्राप्त की । आप प्रजामंडल की यूनिट के अध्यक्ष भी रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में कुल 25 दिन की सजा आपने भुगती ।

श्री चाँदमल जैन –

जबलपुर म.प्र. के श्री चांदमल जैन पुत्र श्री घेवरचंद जैन का जन्म 8 जनवरी 1930 को हुआ । भारत छोडो आंदोलन में आपने कमानिया गेट जबलपुर में तिरंगा झण्डा फहरा दिया फलतः गिरफ्तार कर छोड़ दिया गया । हाल ही में 9 फरवरी 1905 को आपका देहावसान हो गया ।

श्री चांदमल जैन

झाबुआ म.प्र. के श्री चाँदमल जैन पुत्र श्री रतनचंद का जन्म 1909 में हुआ। आपने 1930 से 1947 तक के सभी आंदोलनों में सक्रिय भाग लिया । आजादी के बाद शासन ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर आपको सम्मानित किया है।

श्री चितरंजन कुमार –

संगीतकला प्रेमी मध्यप्रदेश के श्री चितरंजन कुमार 1942 में विद्यार्थी अवस्था में ही गिरफ्तार कर लिये गये थे । निर्माण पथ में चिरन्तनरत रहने वाले श्री कुमार काफी समय तक राष्ट्रीय सेवक दल के प्राणवान सदस्य रहे। आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए. किया ।

[67] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भाग –5 पृ. 328

श्री चिन्तामन जैन –

आजादी के दीवाने श्री चिन्तामन जैनका जन्म टडा (सागर) म.प्र. में हुआ। आपके पिता का नाम श्री लालचंद जैन था। लगभग 75 वर्ष की उम्र में आपका निधन 1992 में हुआ आप 30 वर्ष सागर में रहे । पुलिस चौकी में झंडा लगाने पर आपको गिरफ्तार कर लिया गया, अतः 18 सितम्बर 1942 से 8 अक्टूबर 1942 तक जेल की दारूण यातनायें आपको भोगना पड़ी।

श्री जड़ावचंद जैन

धार म.प्र. के श्री जड़ावचंद जैन पुत्र श्री कस्तूरचंद जैन का जन्म फरवरी 1921 में हुआ आपने बोरखेडा तथा उपरबाडा जागीरों में स्वतंत्रता आंदोलन हेतु सक्रियकार्य किया महात्मा गांधी के आह्वान पर आपने हरिजनोद्वार के कार्य किये ।

श्री जयकुमारजैन –

कटनी म.प्र. के श्री जयकुमार जैन पुत्र श्री हुकुमचन्द्र का जन्म 1923 में हुआ । 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भाग लेने पर 15 दिन का कारावास आपको भोगना पड़ा।

श्री जिनेद्र कुमार मलैया –

सागर म.प्र. के प्रसिद्ध व्यवसायी श्री जिनेन्द्र कुमार मलैया पुत्र श्री मूलचंद ने 1942 के भारत छोडो आंदोलन में भाग लिया तथा 4 माह का कारावास भोगा ।

श्री ज्ञानचंद जैन –

श्री ज्ञानचंद जैन पुत्र श्री मुलायमचंद जैन का जन्म 1928 में जबलपुर म.प्र. में हुआ अपनी गिरफ्तारी के संदर्भ में आपने लिखा है – मैं सन 1942 के आंदोलन में भाग लेने के कारण पकडा गया था जबलपुर खादी आश्रम उन दिनों राष्ट्रीय गतिविधियों का केन्द्र था। परचा बांटने वलों में मै भी था । मेरे हाथ से पुलिस ने कुछ पर्चे जप्त किये तथा मुझे पकडकर ले गये थे । मुझे 1 माह 16 दिन जेल में रहना पडा पर सरकार मुझे अपराधी सिद्ध नहीं कर पायी, अतः छूट आया। [68]

श्री टेकचंद जैन –

श्री टेकचंद जैन पुत्र श्री वंशीलाल का जन्म 1921 में वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र. में हुआ 1940 में युद्ध विरोधी सभाओं तथा 1941 में व्यक्तिगत सत्याग्रहियों की सभाओं का आयोजन आपने किया 1942 के आंदोलन में 22 अगस्त को आप गिरफ्तार कर लिये गये तथा 17 अक्टूबर 1943 तक बालाघाट एवं अकोला जेलों में जनरबंदी की सजा भोगी । [69]

श्री डालचंद जैन –

गोटेगांव जिला नरसिंहपुर म.प्र. के श्री डालचंद्र जैन पुत्र श्री छब्बीलाल का जन्म 1900 में हुआ। 1930 से ही आप रा0आ0 में सक्रिय हो गये थे । 1941 के व्यक्तिगत सत्याग्रह व 1942 के भारत छोडो आंदोलन में लगभग 14 माह का करावास आपने भोगा। आपने श्री फूलचन्द जैन के साथ झांसी तक पैदल यात्रा की थी और गिरफ्तार हुए थे।[70]

श्रीमंत सेठ श्री डालचन्द्र जैन –

---

[68] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.127
[69] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.178
[70] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनानी भाग –1 पृ.142

पन्ना दमोह क्षेत्र से लोकसभा के सदस्य रहे। प्रसिद्ध सामाजिक राजनैतिक कार्यकर्ता, मृदुभाषी, सहिष्णु, सरल हृदय, उदारमन श्री डालचन्द्र जैन का जन्म 11 सितम्बर 1928 को सागर म0प्र0 में हुआ। आपके पिता श्रीमंत समाजभूषण सेठ श्री भगवानदास जी अपने समय के प्रख्यात पुरूष रहे है। वे स्वाधीनता सेनानियों से न केवल गहरी सहानुभूति रखते थे बल्कि शासन के भय की चिंता न करते हुये उनकी सहायता भी करते थे।[71] 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में पूज्य बापू के आव्हान पर आपने आंदोलन में भाग लिया उससमय आपकी उम्र मात्र 14 वर्ष की थी।

श्री ताराचंद जैन –

गाडरवारा जिला नरसिंह पुर म.प्र. के श्री ताराचंद जैन अपने मामा सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी श्री अमृतलाल चंचल की प्रेरणा से राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े। श्री शिखरचंद एवं श्री प्रेमचंद जैन की प्रेरणा भी आपको मिली । बुलेटिन बांटने कार्टून चिपकाने के अतिरिक्त अपने मधुर गीतों से आपने जनजागरण किया। 1939 के त्रिपुरी कांग्रेस में आप स्वयंसेवक रहे । 1942 में आप गिरफ्तार हुए । अंग्रेजी शासकों ने थाने में घुटनों के बल चलवाकर आपको कठोर यातनाएँ दीं पर आप झुके नहीं। [72]

श्री ताराचंद जैन –

सागर म.प्र. के श्री ताराचंद जैन पुत्र श्री दयाचंद का जन्म 1920 में हुआ। 1942 के भारत छोडो आंदोलन में आपने 6 माह का कारावास भोगा ।[73]

---

[71] आ0 दी0 पृ. 9–10
[72] ता0त0इ0पृष्ठ 8
[73] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 28

श्री ताराचंद जैन –

अमरपाटन जिला सतना म.प्र. के श्री ताराचंद्र जैन पुत्र श्री बलदेव प्रसाद का जन्म 1919 में हुआ। 1942 के भारत छोडों आंदोलन में तिरंगा झण्डा लेकर जुलूस निकालने पर आप गिरफ्तार कर लिये गये व 6 माह रीवां जेल में कारावास की सजा भोगी । [74]

श्री ताराचंद जैन –

सागर म.प्र. के श्री ताराचंद जैन पुत्र श्री मौजीलाल का जन्म 1910 में हुआ । आपने शिक्षा प्राथमिक तक ही ग्रहण कर पाई 1932 के आंदोलन में साढ़े पांच माह तथा 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में 6 माह का कारावास भोगकर आपने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह किया । [75]

श्री थानमल जैन –

श्री थानमल जैन का जन्म 1926 में श्री लालचंद जी के यहां सीहोर म.प्र. में हुआ कक्षा 3 तक आपने शिक्षा ग्रहण की । भोपाल विलीनीकरण आंदोलन (48–49) में भाग लेने के कारण जुर्माना एवं 17 जनवरी 1949 से 6 फरवरी 1949 तक की सजा आपको भोगनी पड़ी ।[76]

श्री दयाचंद जैन –

खण्डवा म.प्र. के श्री दयाचंद जैन पुत्र श्री दुलीचंद जैन का जन्म फरवरी 1910 में हुआ । आप 1930 से ही राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय हो गये थे । 1930 में 4 माह का तथा 1932 में 15 माह का कारावास आपने

[74] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 262
[75] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 28
[76] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 42

भोगा। जेल में ही आप कैंसर से पीड़ित हो गयेथे । 1963 में आपका स्वर्गवास हो गया ।[77]

श्री दलीपचंद जैन –

होशंगाबाद म.प्र. के श्री दलीपचंद जैन पुत्र श्री परसराम जैन का जन्म 1901 में हुआ । 1932 में विदेशी वस्त्रों की पिकेटिंग करते हुए आप गिरफ्तार कर लिये गये और 4 माह के कारावास की सजा आपको दी गई। 1943 में अल्प आयु में ही आपका देहावसान हो गया । आपके पुत्र विजय कुमार जैन भी जेलयात्री रहे है।[78]

श्री दालचंद जैन –

श्री दालचंद जैन, पुत्र श्री भुलई लाल का जन्म 1917 में जबलपुर म.प्र. में हुआ। 1942 के आंदोलन में आप जबलपुर शस्त्र फैक्टरी में राष्ट्रीय कार्य करते हुए गिरफ्तार किये गये तथा 1 वर्ष 6 माह नजरबंदी में रहे।[79]

श्री दालचंद जैन –

सागर म.प्र. के श्री दालचंद जैन पुत्र श्री मानकलाल जैन ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और 3 माह का कारावास भोगा ।[80]

श्री दालचंद सिंघई –

गढ़ाकोटा जिला सागर म.प्र. के श्री दालचंद सिंघई, पुत्र श्री वृन्दावन का जन्म 1908 में हुआ। आरंभ से ही आप स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहे ।

---

[77] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–4 पृष्ठ 105
[78] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 349
[79] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 59
[80] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 30

28 फरवरी 1933 से 24 नवम्बर 1933 तक आपने कठोर कारावास की यातनायें सही थी।[81]

श्री दीपचंद जैन –

श्री दीपचंद जैन पुत्र श्री धरमचंद जैन का जन्म 1917 में जबलपुर म.प्र. में हुआ। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में 9 माह के कारावास की सजा आपने काटी। [82]

श्री दीपचंद मलैया –

गढ़ाकोटा, जिला सागर (म.प्र.) निवासी श्री दीपचंद मलैया (जैन), पुत्र श्री सज्जन कुमार का जन्म 1914 में हुआ। आपने 1932 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया। फलतः 6 माह का कारावास भोगा। 1971 में आपका निधन हो गया । [83]

श्री दुलीचंद जैन –

ग्राम कारी जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) के श्री दुलीचंद जैन पुत्र श्री मूलचन्द जैन का जन्म 1922 में हुआ। ओरछा राज्य के उत्तरदायी शासन हेतु चलाये गये आंदोलन के अंतर्गत जंगल (महुआ) आंदोलन में आपने भाग लिया तथा एक माह से अधिक का कारावास टीकमगढ़ जेल में भोगा। [84]

श्री धन्नालाल जैन –

ग्राम –बकौरी, पोस्ट फूलसागर जिला मण्डला (म.प्र.) के श्री धन्नालाल जैन, पुत्र श्री बलदेव लाल का जन्म 5 जनवरी 1906 को बरगी

[81] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 30
[82] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 59
[83] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 30
[84] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 128

ग्राम में हुआ। 1930 के जंगल सत्याग्रह में 1 माह की सजा एवं 20 रूपये का अर्थदण्ड आपको भोगना पड़ा। [85]

श्री धन्नालाल जैन –

इटारसी, जिला – होशंगाबाद (म.प्र.) के श्री धन्नालाल जैन, पुत्र श्री मन्नूलाल जैन का जन्म 1923 में हुआ। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में आपने 6 माह का कठोर कारावास भोगा। [86]

श्री धन्नालाल जैन

विदिशा (म.प्र.) के श्री धन्नालाल जैन, पुत्र श्री रूपाचन्द्र का जन्म 1922 में हुआ। माध्यमिक तक शिक्षा प्राप्त श्री जैन ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में विदिशा के नवयुवकों को स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, फलतः 19 सितम्बर 1942 को गिरफ्तार किये गये और लगभग 9 माह का कारावास आपने भोगा।[87]

श्री धन्नालाल जैन बजाज –

खुरई, जिला सागर म.प्र. के श्री धन्नालाल जैन, पुत्र श्री मोतीलाल जैन का जन्म 1912 में ग्राम गठोला जागीर (खुरई) में हुआ। भारत छोड़ो आंदोलन में आपने सक्रियता से भाग लिया और 17 सितम्बर 1942 से 14 नवम्बर 1942 तक का कारावास भोगा।[88]

श्री धर्मचंद जैन –

श्री धर्मचंद जैन पुत्र श्री गोपाल चंद का जन्म 1920 में ग्राम दाहोद, जिला रायसेन (म.प्र.) में हुआ । 1942 के आंदोलन में आपने लगभग तीन

[85] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 208
[86] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 330
[87] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 96
[88] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 32

माह का कारावास भोगा। म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री प्रकाशचंद सेठी द्वारा आपको प्रशस्तिपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया था।[89]

श्री नगीनमल जैन –

ग्राम रानापुर, जिला झाबुआ (म.प्र.) के श्री नगीनमल जैन, पुत्र श्री चंपालाल जैन का जन्म 5 अक्टूबर 1923 को हआ । आपने 1942 के आंदोलन में सक्रिय भाग लिया । आपको शासन की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । आपके अग्रज श्री बसन्तीलाल जैन भी स्वाधीनता सेनानी हैं।[90]

श्री नत्थू जैन –

स्वतंत्रता सेनानी श्री नत्थू जैन (जामला) बैतूल (म.प्र.) निवासी थे। 1942 के देशव्यापी आंदोलन में आप एक सप्ताह तक नजरबंद रहे।

श्री नन्हेलाल जैन –

श्री नन्हेलाल पुत्र श्री कुन्दनलाल ग्राम –कर्रापुर जिला सागर (म.प्र.) के निवासी थे। आपने 1942 के आंदोलन में थाना जलाया, फलतः लगभग 15 माह का कारावास आपको भोगना पड़ा[91]।

श्री नारायणदास जैन –

कटनी म.प्र. के श्री नारायणदास जैन 1930 के जंगल सत्याग्रह में सक्रिय रहे और 3 माह का कारावास तथा 25 रूपये का अर्थदण्ड भोगा।[92]

डॉ. नरेन्द्र विद्यार्थी –

---

[89] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 73
[90] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–4 पृष्ठ 141
[91] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 34
[92] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–5 पृष्ठ 332

विद्यार्थी जी का जन्म छतरपुर (म0प्र0) जिले के लघु सम्मेद शिख रनाम से विख्यात 'द्रोणगिरि' अंचल के गाँव धन गुवाँ में 15 अगस्त 1924 को हुआ था।[93] आपने बचपन से ही अभाव, और समस्याओं से जूझकर स्वयं ही अपना मार्ग प्रशस्त किया। आप जब गुरूदत्त दिगम्बर जैन संस्कृत विद्यालय, द्रोणगिरि में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, तभी आपको प्रातः स्मरणीय संत श्री गनेश प्रसाद जी 'वर्णो' के सान्निध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

श्री पंचमलाल जैन –

दिगम्बर जैन ट्रस्ट, रीवा के कोषाध्यक्ष एवं मंत्री रहे श्री पंचमलाल जैन, पुत्र श्री शिकरीलाल जैन का जन्म 1916 में रीवा म.प्र. में हुआ। 1932 में आप रा0आ0 से जुड़े । 1942 के आंदोलन में आपने सक्रियता से भाग लिया। कुछ दिन इधर उधर छिपते रहें, अनततः 24 सितम्बर 1942 को आप गिरफ्तार कर लिय गये । 15 दिसम्बर 1942 तक आप फलकनुमा कैम्प में नजरबंद रखे गये । रीवा के चालव – आंदोलन में भी आपने भाग लिया था। आप 1941 से 1951 तक रीवा नगर के पार्षद रहे थे। [94]

श्री पंचमलाल बैसाखिया –

रहली, जिला सागर म.प्र. निवासी श्री पंचमलाल बैसखिया, पुत्र श्री मोतीलाल ने 1932 के आंदोलन में पांच माह का कारावास तथा 50/– रूपये का अर्थदण्ड भोगा। 1958 में आपका स्वर्गवास हो गया । [95]

श्री पदमचंद जैन –

---

[93] जैन संदेश राष्ट्रीय अंक पृ.50
[94] डॉ. नंदलाल जैन – रीवा द्वारा प्रेषित परिचय
[95] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 41

बालाघाट (म.प्र.) के श्री पदमचंद जैन पुत्र श्री पन्नालाल का जन्म 1930 में हुआ। 1942 के आंदोलन में नारे लगाने के कारण आप पकडे गये पर अल्पवय होने के कारण हवालात में ही रखे गये। गोवा सत्याग्रह में भी आपने भाग लिया और गिरफ्तार हुए। [96]

श्री पन्नालाल जैन (सेठ) –

ग्राम चन्देरा जिला टीकमगढ (म.प्र.) के श्री पन्नालाल जैन, पुत्र श्री भगवानदास का जन्म 1904 में हुआ। 1947 के चंदेरा काण्ड में आपने भाग लिया । म.प्र. शासन ने सम्मान पत्र प्रदान कर आपको सम्मानित किया है।[97]

श्री पन्नालाल बासल–

मंडी बामोरा, जिला सागर म0प्र0 के प्रसिद्ध समाज सुधारक श्री पन्नालाल बासल को 1942 के आंदोलन में भाग लेने के कारण 6 माह का कारावास दिया गया था। आप बामोरा कांग्रेस मण्डल के अधिपति व सागर जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य भी रहे । [98]

श्री परब चन्द्र जैन –

म0प्र0 विधान सभा में अनेक वर्षो तक विधायक रहे श्री परब जैन, पुत्र श्री लक्ष्मीचन्द्र जैन का जन्म ग्राम –तामोट जिला रायसैन (म0प्र0) में 1922 में हुआ।[99] 1949 के भोपाल राज्य विलीनीकरण आंदोलन ने आपने दो माह का कारावास एवं 100 रू. का अर्थ दण्ड भोगा। बाद में आप समाजवादी दल में सम्मिलित हो गये। भोजपुर विधान सभा क्षेत्र से विधायक तथा प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे। आपात काल में भी आपने

[96] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 182
[97] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 129
[98] जैन संदेश राष्ट्रीय आंदोलन पृष्ठ 53
[99] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी, भाग–5, पृष्ठ 74

जेल यात्रा की । पर्युषण पर्व में आपके अनेक अनुरोध और दबाव केकारण केन्द्रीय कारागार भोपाल में जिनमूर्ति स्थापित की गई थी। उस समय जेल में अनेक जैन भी थे।[100]

पं. वंशीधर व्याकरणचार्य –

जैन दर्शन के उद्भट विद्वान पं. बंशीधर जी का जन्म भाद्रपद शुक्ला 7 वि.स. 1962 (सन् 1905) में हुआ । पिता का नाम श्री पं. मुकुन्दीलाल और माता का नाम श्रीमती राधादेवी था।[101] पिताजी उस क्षेत्र के माने हुये विद्वान , पंडित शास्त्र प्रतिलेखक और प्रतिष्ठाचार्य थे । पंडित वंशीधर जी का जन्म स्थान सोंरई है, जो बहुत पहले गढ़ाकोटा (सागर) म0प्र0 की जागीर थी और अब उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले का एक प्रख्यात ग्राम है। पंडित जी की प्राथमिक शिक्षा स्थानीय प्राइमरी स्कूल के कक्षा 4 तक हुई। चौथी कक्षा पास कर आपको पूज्य पं. गणेश प्रसाद जी वर्णी अपेन साथ बाराणसी ले गये । वहां स्याद्वाद जैन महाविद्यालय में उनकी छत्र छाया में 11 वर्ष तक व्याकरण, साहित्य, दर्शन और सिद्धांत का उच्च अध्ययन किया। आपने प्रथम श्रेणी में ही सभी विषयों में उत्तीर्णता प्राप्त की थी। व्याकरणचार्य परीक्षा में तो प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था।

श्री प्रेमसुख झांझरिया –

इंदौर म.प्र. के श्री प्रेमसुख झांझरिया, पुत्र श्री पन्नालाल झांझरिया पुत्र श्री पन्नालाल झांझरिया ने 1942 के स्वाधीनता संग्राम में सक्रियता से

[100] पुत्र द्वारा प्रेषित परिचय ।
[101] पं. जैन 30 पृ. 527

भाग लिया फलतः 21 दिन इंदौर जेल में रहे। आपके अन्य दो भाईयों श्री जौहरीलाल तथा बाबूलाल झांझरिया ने भी जेल यात्रा की थी। [102]

श्री प्यारचंद कासलीवाल –

इंदौर म.प्र. के श्री प्यारचंद कासलीवाल पुयत्र श्री गुलाबचंद कासलीवाल ने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया था। आप सक्रिय कार्यकर्ता थे। म.प्र. शासन ने आपको सम्मानित किया है। [103]

श्री फकीरचंद जैन उर्फ फणीन्द्रकुमार जैन –

अंग्रेजों के लिये सचमुच ही फणीन्द्र (नाम) सिद्ध हुये सनावद म.प्र. के श्री फकीर चंद जैन उर्फ फणीन्द्रकुमार जैन, पुत्र श्री दशरथ का जन्म 19 अप्रैल 1923 को हुआ । मैट्रिक में अध्ययन के समय 1938 से ही आप स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग लेने लगे। 1942 के भारत छोड़ों आंदोलन में भाग लेने के कारण 4 माह 2 दिनों का कारावास आपको भोगना पड़ा। [104]

श्री फूलचंद जैन –

पिपरोध जिला कटनी म.प्र. के श्री फूलचंद जैन पुत्र श्री दमड़ीलाल ने 1930 के जंगल सत्याग्रह में 3 माह का कारावास तथा 20 रूपये का अर्थदण्ड भोगा । [105]

श्री फूलचंद जैन–

वारासिवनी जिला बालाघाट (म.प्र.) के श्री फूलचंद जैन पुत्र श्री पन्नालाल 1942 के आंदोलन में 22 अगस्त को गिरफ्तार कर लिये गये थे । आप 15 सितम्बर 42 तक नजरबंदी में रहे । [106]

---

[102] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–4 पृष्ठ 29
[103] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–4 पृष्ठ 55
[104] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–4 पृष्ठ 88
[105] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 75

श्री बाबूलाल जैन –

ग्राम – कर्रापुर जिला सागर म.प्र. के श्री बाबूलाल जैन पुत्र श्री हीरालाल ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और 1 माह का कारावास भोगा । [107]

श्री बाबूलाल जैन –

सागर म.प्र. के श्री बाबूलाल सेठ पुत्र श्री कालूराम का जन्म 1916 में हुआ। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में आपने भाग लिया और 6 माह का कारावास भोगा। [108]

श्री बाबूलाल जैन –

श्री बाबूलाल जैन पुत्र श्री इंदौवर निवासी गौरझामर, जिला सागर म.प्र. 1931 के आंदोलन में महात्मा गांधी के आव्हान पर बी.ए. की पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े । आपने धारासणां एवं बड़ाला ग्राम को नमक सत्याग्रह के लिये कूच किया, किन्तु पुलिस की कृपा से आप को बम्बई के हॉस्पीटल में पहुँचना पड़ा। स्वस्थ होने पर फिर बाराडोली की ओर प्रयाण किया और वहाँ गिरफ्तार होकर 5 माह तक जेल में रहे। [109]

श्री बाबूलाल जैन –

छिन्दवाड़ा म.प्र. के श्री बाबूलाल जैन ने त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन में स्वयं सेवक के रूप में कार्य किया तथा भारत छोड़ो आंदोलन में 9 माह की सजा पाई ।[110]

श्री बाबूलाल जैन –

---

[106] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 185
[107] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 46
[108] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–2 पृष्ठ 47
[109] जैन संदेश राष्ट्रीय आंदोलन
[110] स्वाधीनता आंदोलन में छिन्दवाड़ा जिले का योगदान पृ. 337

कटनी, म.प्र. के श्री बाबूलाल जैन का जन्म 1912 में हुआ। आप जंगल सत्याग्रह में 11 जुलाई 1930 से 10 सितम्बर 1930 तक कारावास में रहे।

श्री बाबूलाल जैन –

भोपाल म.प्र. के श्री बाबूलाल जैन, पुत्र श्री गोरेलाल जैन का जन्म 1 जनवरी 1927 को हुआ स्वाधीनता आंदोलन में आपने सक्रियता से भाग लिया । म.प्र. शासन ने आपको सम्माननिधि देकर सम्मानित किया है। [111]

डॉ. बालचन्द्र जैन –

राष्ट्रीय आंदोलन की स्मृतियों को अपने हृदय में सजोंकर रखने वाले श्री बालचन्द्र जैन का जन्म 15 अक्टूबर 1919 को सागर (म.प्र.) में हुआ।[112] आपके पिता का नाम श्री कुन्दन लाल जैन था।[113] आपने पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है तथा अनेक पुस्तकों का लेखन तथा सम्पादन किया है।[114] प्रारंभ में बनारस के मुदैनी मुहल्ला में सिथत स्याद्वाद जैन विद्यालय में स्थान मिला। जैन धर्म दर्शन के अध्ययन के लिये बनारस भेजा गया था । लेकिन वहां रहते हुये ज्ञान–विज्ञान की अन्य विधाओं के द्वार खुल गये। फलतः मैने जैन धर्म दर्शन के अध्ययन के अतिरिक्त संस्कृत के व्याकरण और साहित्य के साथ अंग्रेजी के पढ़ने का पूरा लाभ उठाया। मैट्रिक पास करने के बाद बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में कला विषय में प्रवेश लिया। वहीं से स्वाधीनता आंदोलन में जुड़ा। वहां के मेरे समकालीन साथियों में श्री राज नारायण भी थे। छात्र आंदोलन के माध्यम से ही में

[111] श्रीदीपचंद जैन– भोपाल द्वारा प्रेषित तीन प्रमाण पत्र
[112] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सैनिक, भाग–3 पृ. 186
[113] जैन संदेश राष्ट्रीय अंक
[114] प.जै.ई. पृ. 525

बनारस में पं. कमलापति त्रिपाठी, डॉ. सम्पूर्णानंद , आचार्य नरेन्द्र जी श्री प्रकाश जी आदि के सम्पर्क में आये थे।

श्री बाबूलाल 'कमल' –

म0प्र0 विधान सभा में विधायक रहे तथा दानभूषण जैसी उपाधियों से अलंकृत 'कमल' उपनाम से विख्यात श्री बाबूलाल जैन पुत्र श्री गुरूप्रसाद जैन का जन्म 19 जुलाई, 1914 को सिलवानी जिला रायसेन म.प्र. में हुआ।[115] 1937 में आप सिलवानी तहसील में दरख्वास्त नबीस तथा पटवारी के पद पर शासकीय सेवा में लग गये , किन्तु गांधी जी के अछूता द्वार एवं अस्पृश्यता निवारण संदेश से प्रभावित होकर 1940 में क्रांतिकारी बन गये और सिलवानी के तारण तरण जैन मंदिर में हरिजन प्रवेश की अगुवाई की।

श्री भीकमचन्द्र सिंघवी –

गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर म.प्र. के प्रमुख शिक्षाविद् श्री भीकम चन्द्र सिंधवी का जन्म एक संभ्रात एवं सम्पन्न मारवाड़ी परिवार में 24 जौलाई 1915 को हुआ[116] आपके पिता का नाम श्री मंगल चन्द्र सिंघवी था, जो स्वतंत्रता सैनानी थे। आपने देश भक्ति का गुण अपने पिता से विरासत में पाया, साथ में व्यापारिक बुद्धि भी उनके संरक्षण से ही प्राप्त हुई। अतः आपके पटल पर दोनो विचारधाराओं का अदभुत संगम दिखाई देता है। एक तरफ आपकी राजनैतिक विचारधारा से गोटेगांव की जनता आप्लावित है। तो दूसरी तरफ व्यापारिक विचारधारा से जन जन परिचित है।

श्री भैयालाल जैन –

[115] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–5 पृ.76
[116] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–1 पृ.149

मध्यप्रदेश विधान सभा में बण्डा जिला सागर म.प्र. से विधायक रहे श्री भैयालाल जैन, पुत्र श्री कन्हैयालाला का जन्म 1909 में हुआ[117] आप 1931–32 में जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य थे[118] राज्य कांग्रेस कमेटी में अनेक बार सागर का प्रतिनिधित्व आपने किया । आप जिला कांग्रेस कमेटी के 1941 से 47 तक कोषाध्यक्ष भी रहे।

श्री भैयालाल जैन'नेताजी' –

1930 में जंगल सत्याग्रह के दौरान आप गीत गाते हुये गिरफ्तार कर लिये गये और 4 माह की कैद तथा 50/– रूपये अर्थदण्ड पाया।[119] 1932 में आप ग्राम ग्राम भ्रमण करते हुये कि मानों कोई लगान अदा न करने के लिये भडकाने के आरोप में पकड़े गये और 6 माह के सश्रम कारावास की सजा पाई। जबलपुर में चलती ट्रेन की जंजीर खीचकर आपने उस पर तिरंगा झण्डा फहराया ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी और 15 दिन की कैद पाई।

श्री मंगलचन्द्र सिंघवी –

गोटे गांव जिला नरसिंहपुर म.प्र. के प्रसिद्ध शिक्षाविद् श्री मंगलचन्द्र सिंधवी पुत्र श्री दयाचन्द्र का जन्म 14.09.1890 को डीडवाना जिला नागौर राजस्थान में हुआ[120] वाद में आप गोटे गांव आकर बस गये 1928 में कांग्रेस द्वारा घोषित दो दिन की हडताल में आपने पूर्णसहयोग दिया आंदोलन मैं सिंघवी जी इस क्षेत्र में कार्यरत रहे जिससे आपको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और 4 माह तक नागपुर जेल में बंद रखा। 1942 में कांग्रेस ने करो

[117] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–1 पृ.51
[118] जैन संदेश राष्ट्रीय अंक पृ096
[119] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–1 पृष्ठ 85
[120] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग– पृ. 151

या मरो का नारा बुलन्द किया तब सिंघवी जी को पुनः पुलिस ने गिरफ्तार कर एक वर्ष दस माह का कारावास दिया ।

श्री मगनलाल कोठारी –

विधि स्नातक श्री मगनलाल कोठारी पुत्र श्री कन्हैयालाल कोठारी का जन्म 1916 में हरदा, जिला होशंगाबाद म.प्र. में हुआ[121] 1932 में पिंकेटिंग करने पर 6 माह की सजा एवं 100/– रू जुर्माना आपको भोगना पड़ा । 1942 के भारत छोडों आंदोलन में पहले तो आप भूमिगत रहे, परन्तु बाद गिरफ्तार कर 18 माह नागपुर जेल में नजर बंद रखे गये। 50/– रू का अर्थदण्ड भी इस समय आपने भोगा। शहर को प्रतिष्ठित वकील एवं पत्रकार कोठारी जी जनपद सभा के उपसभापति सभापति आदि पदों पर रहे।[122]

श्री मगनलाल गोइल –

टीकमगढ विधान सभा के सदस्य (विधायक) रहे तथा लगभग 16 साल तक नगर पालिक परिषद टीकमगढ़ के सदस्य उपाध्यक्ष तथा अध्यक्ष आदि पदों पर रहे श्री मगनलाल गोइल पुत्र श्री चुन्नीलाल गोइल का जन्म 11 नवम्बर 1927 को टीकमगढ़ म.प्र. में हुआ । व्याकरण की मध्यमा और जैन सिद्धांत शास्त्री जैसी महत्वपूर्ण परीक्षायें आप ने उत्तीर्ण की ।

श्री महेन्द्र कुमार मानव –

श्री महेन्द्र कुमार मानव पुत्र श्री ब्रजलाल जैन का जन्म म.प्र. के छतरपुर में फाल्गुन शुक्ल 13 सम्बवत् 1977 (1920 ई) को हुआ।[123] अल्पवय में ही पिता का साया उठ गया था । 1939 में छतरपुर में नवयुवक

[121] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–5, प.336
[122] हरदा और स्वतंत्रता संग्राम पृ. 79
[123] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–2 पृ.112

की स्थापना इनका साहसिक कदम था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में मानव जी ने हिस्सा लिया और 10 माह होशंगाबाद व जबलपुर की जेलों में बंद रहे।[124] मानव जी ने संस्कृत विषय में एम.ए. की परीक्षा प्रयाग विश्वविद्यालय से पास कर भारतीय विद्या भवन में रिसर्च फैलो और बाद में बम्बई के ही सिडनहम कालेज में अध्यापन का कार्य किया । 1949 में रीवा में संस्कृत से व्याख्याता बने। इसी बीच विन्ध्य प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन, की स्थापना की ।

श्री मौजी राम जैन –

मनेन्द्र गढ जिला सरगुजा (छ.ग.) के श्री मौजीराम जैन पुत्र श्री शत्रुधन जैन ने 1930 के नमक सत्याग्रह में भाग लिया तथा 9 दिन का कारावास एवं 3 माह 9 दिन नजरबंद रहने कीसजा भोगी।[125]

श्रीयति यतनलाल उपाध्याय –

महासमुंद जिला रायपुर (छ.ग.) के श्री यति यतनलाला उपाध्याय पुत्र श्री गुरू का जन्म 24 फरवरी 1902 को हुआ। 1930 के जंगल सत्याग्रह तथा 1932 और 1941 के आंदोलनोंमें आपने भाग लिया और 6 माह से अधिक कारावास भोगा।[126]

वैद्य रतनचन्द्र जैन –

देशी औषधियों के व्यवसायी वैद्य रतनचंद जैन श्री मुन्नालाल जैन का जन्म 24 अक्टूवर 1919 को खनियाधाना जिला शिवपुरी म.प्र. में

[124] प.जै. ई. पृ. 387
[125] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग 3 पृष्ठ 128
[126] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–4 पृ. 85

हुआ।[127] आपने माध्यमिक तक शिक्षा ग्रहण की और आजादी के आंदोलन में कूद पड़े । 1940 में आपने महाराष्ट्र चर्खा संघ द्वारा संचालित वस्त्र विद्यालय में 20 माह चर्खा चलाने की ट्रेनिंग ली । आप सेवाग्राम में गौ सम्बर्धन की ट्रेनिंग हेतु गये जहां आपने पूज्य बापू के सान्निध्य में प्रार्थना सभा तथा उनके साथ घूमने का सौभाग्य मिला। इसे आप अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते है। जुलाई 1941 में आप अपने गृहनगर खनियाधाना लोट आये जहां 1942 के आंदोलन में भाग लिया फलस्वरूप राज्य से एक वर्ष केलिये निष्कासित कर दिये गये।

डॉ. रतन पहाडी –

भारत वर्ष के सुविख्यात प्राकृतिक चिकित्सक तथाआचार्य विनोबा भावे की गतिविधियों को सक्रिय योगदान देने वाले श्री रतन पहाड़ी का जन्म 15 अक्टूबर को त्योंदा, जिला विदिशा म.प्र. में हुआ[128] पिछले लगभग 50 साल से आप कामठी जिला नागपुर महाराष्ट्र में निवास कर हरे है आपकी शिक्षा सारनाथ एवं वराणसी के सुप्रसिद्ध विद्यालय श्री द्वाद महाविद्यालय में हुई । 1942 में आंदोलन में भाग लेने के कारण आपको6 माह जैल में बिताने पड़े और 4 माह विचाराधीन कैदी के रूप में रहना पड़ा । बाद में आप राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, बर्धा में प्रचार मंत्री रहे। आप उच्च कोटि के साहित्यकार और सहृदय कवि है आपके 5 कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके है।

श्री रतनलाल मालवीय –

भारतीय संविधान निर्माण सभा के सदस्य तथा केन्द्रीय उपश्रम मंत्री रहे श्री रतनलाल मालवीय का जन्म 6 नवम्बर 1907 को म.प्र. के हृदय

[127] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग –4 पृ. 300
[128] प.जै.इ.पृ.279

स्थल सागर में एक मध्यम वर्गीय जैन परिवार में श्री किशोरीलाल मलैया से मालवीय कैसे बन गये इस संदर्भ में स्वयं रतनलाल जी ने लिखा है सन् 1927 में जब मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बी.ए. का विद्यार्थी था तब मेरे अर्थशास्त्र के प्रोफेसर ताराचन्द्र अग्रवाल ने यह प्रश्न किया कि मैं मलैया क्यों कहलाता हूँ मैने मॉ से पूछकर बताया कि कुरवाई को मालवा कहने पर और हमारे कुरवाई निवासी होने से हम मलैया कहलाये । हमारे प्रोफेसर ने कहा तब तो हमें मालवीय कहला चाहिये था। उन्होनें हाजरी रजिस्टर उठाकर मलैया की जगह मालवीय लिख दिया। तभी से में मालवीय हो गया।[129]

श्री रमेश चन्द्र जैन –

वारा सिवनी जिला बालाघाट म.प्र. के श्री रमेशचन्द्र जैन पुत्र श्री पन्नालाल जैन का जन्म 1926 में हुआ[130] विद्यार्थी जीवन में आपने शासकीय स्कूल का बहिष्कार किया एवं 1942 में 20 अगस्त को धारा 144 का उल्लंघन कर विशाल जुलूस निकाला, फलतः पुलिस की गोली सेआप दाहिना पैर जख्मी हो गया फिर भी पुलिस आपको पकड़ नहीं सकी । आजादी के बाद शासन से सम्मान पत्र देकर आपका सम्मान किया ।

श्री रामचन्द्र भाई शाह –

छिन्दवाड़ा म.प्र. से सांसद और विधायक रहे श्री रामचन्द्र भाई शाह, पुत्र श्री नरहरि भाई शाह का जन्म 17 अक्टूबर 1917 को गंगवा जिला जामनगर गुजरात में हुआ।[131]पर आप बचपन में ही प्रदेश में आकर बस गए थे। आपने छात्र जीवन से ही आप राष्ट्रीय आंदोलन में रूचि लेने लगेथे। श्री दुलीचन्द्र मेहता आपके मुख्य प्रेरणाश्रोत थे । उनकी प्रेरणा से ही आपने

[129] श्री रतनलाल मालवीय– स्मृति ग्रन्थ
[130] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–1 पृ. 189
[131] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनानी भाग–1 पृष्ठ 13

स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया । 1941 में आपने श्री दुलीचन्द्र मेहता और श्री नीलकण्डराव झलके का साथ व्यक्तिगत सत्ताग्रह किया था । सत्याग्रह में भाग लेने के फलस्वरूप 1941 में छःमाह के कारावास कादण्ड आपको दिया गया । जो आपने नागपुर जेल में भोगा। भारत छोड़ो आंदोलन में आप पुनः गिरफ्तार किये गये । फलतः 14 माह तक नजर बंद रखे गये ।

श्री विमल कुमार चौरड़िया –

पूर्व राज्य सभा सदस्य श्री विमल कुमार चौरड़िया का जन्म 15 अक्टूबर 1924 को भानपुरा म.प्र. में हुआ।[132] आपके पिता श्री मन्नालाल जी चौरड़िया व जेष्ठ भ्राता श्री लालचन्द्र जी चौरड़िया भी स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुये थे। होलकर स्टेट में कांग्रेस की प्रजामण्डल संस्था सक्रियता से कार्य कर रही थी । व सारी स्टेट में जगह – जगह प्रजामण्डल की शाखायें खोली जा रही थी। गरोठ जिले में प्रजामंडल की स्थापना करने के लिये माननीय वैजनाथ महोदय श्री हजारीलाल जी जडिया श्री रामेश्वर दयाल तोतला आदि भानपुर आये व भानपुर में श्री मन्नालाल जी चौरड़िया को अध्यक्ष बनाकर प्रजामंडल की शाखा स्थापित की । उस समय श्री विमल कुमार चौरड़िया की आयु 14 वर्ष की थी। इनके घर पर सदा प्रजामंडल की बैठके होती थी व अनेक वरिष्ठ नेतागण इनके यहां ठहरते थे । इस कारण श्री चौरड़िया भी आंदोलन में जुड़ते गये ।आपका अध्ययन इंदौर के प्रसिद्ध होलकर कालेज में हुआ।

श्री श्यामलाल पाण्डवीय –

मध्यभारत के प्रथम मंत्रिमंडल में संसदीय सचिव रहे यशस्वी लेखक, प्रसिद्ध और प्रख्यात समाजसेवी, श्री श्यामलाल पाण्डवीय का जन्म 14

[132] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक पृ. 64–70

दिसम्बर1896 में मुरार ग्वालियर म.प्र. में हुआ।[133]आपके पिता श्री शंकरलाल ग्वालियर रियासत में दीवान थे। दीपशंकर लाल पाण्डवीय दरबारे खास, पंचायत बोर्ड तकि इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के सदस्य रहे तथा चेम्बर और कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के मानसेवी संयुक्त सचिव एवं श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेम सोनागिरी कमेटी के 1922 से 1924 तक मंत्री रहे थे। श्यामलाल जी की माता का नाम गोवल देवी और छोटे भाई का नाम रघुवर दयाल था, जो तहसीलदार थे।[134] आपकी शिक्षा मुरार हाईस्कूल में हुई। ग्वालियर रियासत के प्रथम बैच में आपने इंटर पास किया तथा ग्वालियर राज्य की वकालत की परीक्षा भी आपने पास की थी । पाण्डवीय जी शेशव से ही मेधावी, प्रगतिशील एवं राष्ट्रीय विचारों के व्यक्ति थे। 17 वर्ष की उम्र में ही आप जैसवाल जैन सभा के विभागीय मंत्री तथा बाद में 'मुनि' के सम्पादक बनकर समग्र जैन समाज की सेवा में लग गये थे। पाण्डवीय जी ने 1922 में साप्ताहिक 'समय' निकाला और वीरांगना लक्ष्मीबाई की जयन्ती मनाई। वे खादी प्रचार के माध्यम से भी समाज में लोकप्रिय हुए ।

श्री सवाईमल जैन –

मध्यप्रदेश विधान सभा के उपाध्यक्ष जबलपुर नगर निगम के महापौर और स्थाई समिति के अध्यक्ष म.प्र. स्वतंत्रता संग्राम सैनिक संघ के उपाध्यक्ष आदि पदों पर रहे श्री सबाईमल जैनका जन्म 30 नवम्बर 1911 को जबलपुर म.प्र. में हुआ। आपके पिता श्री पूसमल सांड, मेड़ता (राजस्थान) से जबलपुर आये थे श्वेताम्बर जैन परिवार में जन्में पूसामल जी यहां राजा गोकुलदास के यहां मुनीम थे। सवाईमल जी के भाईयों ने विदेशी खिलौनों और मनिहारी का व्यवसाय प्रारंभ किया था किन्तु 1930 के

[133] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–4 पृ. 253
[134] प्रसिद्ध पत्रकार श्री रवीन्द्र मालव द्वारा प्रेषित परिचय ।

स्वदेशी आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने वह व्यापार बंद कर हिन्दी,संस्कृत और धार्मिक पुस्तकों का व्यापार प्रारंभ किया था। इस व्यापार में आपको सफलता मिली, फिर भी आप आंदोलन से सक्रिय रहे। सवाईमल जी की शिक्षा जबलपुर बनारस और कानपुर में हुई । छात्र जीवन से ही वे आजादी के लिये छटपटाने लगे थे। 1930 में आंदोलन में वे पढाई छोड़कर आंदोलन में कूद पड़े । 1 वर्ष जेल की यातनायें उन्होनें सही । 1932 में पुनः गिरफ्तार हुये और 6 माह के कठोर कारावास तथा 20 रूपये अर्थदण्ड की सजा पाई। अर्थदण्ड चुकता नहीं किया अतः अतिरिक्त डेढ़ माह की सजा और भुगतनी पड़ी।

श्री सौभाग्यमल जैन –

मध्य भारत राज्य में वितगंगी,राजस्व मंत्री तथा स्वतंत्र शासन मंत्री रहे श्री सौभाग्यमल जैन, पुत्र श्री बापूलाल जैन का जन्म 24 फरवरी 1910 को शुजालपुर जिला शाजापुर म.प्र. में हुआ[135] एक प्रतिभावान छात्र, योग्य वकील तथा स्वाधीनता आंदोलन में तेजस्वी नेतृत्व के धनी श्री जैन प्रसिद्ध गांधी वादी श्री लीलाधर जोशी के बाल सखा थे।[136] जैन एवं दर्शन के प्रतिष्ठित विधान और निरन्तर स्वाध्यायी सौभाग्यमल जी बचपन से ही राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने लगे थे।[137] वे पं. लीलाधर जोशी के अनुयायी थे । इस संदर्भ में नवभारत इंदौर दि 7 सितम्बर 1997 लिखता है पं. लीलाधर जोशी अपने सहयोगियों बालकृष्ण शर्मा, नवीन चौधरी, सौभाग्यमल के साथ कई बार जेल गये। शुजालपुर में सौभाग्यमल जी के मार्गदर्शन में

[135] मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सैनिक भाग–4, पृ. 227
[136] स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय जनजागरण में शाजा जिले का योगदान (ट।कित शोध प्रबंध)
[137] नई दुनिया इंदौर, 31सितम्बर 1997

ही प्रवासी प्रजा मंडल का कार्यालय स्थापित किया गया था। [138] गांधीवाद के कट्टर अनुयायी श्री जैन का 31 अक्टूबर 1994 को निधन हो गया।

इनके अलावा प्रदेश के प्रमुख जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का परिचय इस प्रकार है :–

श्री उत्तमचंद वासल पिण्डरई, जिला मण्डला (म.प्र.)

श्री कन्हैयालाल कटलाना आपका जन्म 1909 में श्री मोतीलाल कटलाना सीतामऊ मंदसौर में हुआ था।

श्री कन्हैयालाल जैन – आप जबलपुर म.प्र. थे।

श्री कन्हैयालाल जैनका जन्म 26 अगस्त 1910 को चिकसंतर ग्वालियर में हुआ था।

श्री सिंघई कोमलचंद जैन का जन्म 14.12.1924 को वारासिवनी बालाघाट म.प्र. में हुआ था।

श्री कोमलचंद जैन 'आजाद' का जन्म 1 मई 1922 को ग्राम छपारा जिला सिवनी म.प्र. में हुआ था।

श्री खेमचंद जैन का जन्म पिण्डाई जिला मण्डला म.प्र. में हुआ आपको 2 वर्ष 6 माह की कठोर कैद तथा 100/– रूपये का अर्थदण्ड आपको भोगना पड़ा ।

श्री गजाधर जैन उर्फ श्री नाथूराम का जन्म 1906 में छतरपुर म.प्र. में हुआ था।

श्री गुलझारीलाल जगाती संवत 1972 (1915ई)को टड़ा तहसील देवरी जिला सागर म.प्र में हुआ ।

[138] नवभारत इंदौर, 11 सितम्बर 1997

श्री गुलजारीलाल जैन ग्राम सिहोरा जिला सागर म.प्र. थे आपने भारत छोड़ो आंदोलन में 6 माह का कारावास भोगा ।

श्री गुलाबचंद जैन आपका जन्म 2 सितम्बर 1921 को शहपुरा म.प्र. में हुआ था।

श्री गुलाबचंद 'पुष्प' (भोपाल) का जन्म 1924 में हुआ था।

श्री गोपीलाल जैन का जन्म 1914 में हुआ आपने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में 6 माह का कारावास भोगा।

श्री घनश्यामदास कोठिया का जन्म 24 सितम्बर 1917 को अहार जिला टीकमगढ म.प्र. में हुआ था वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गये 27 सितम्बर 2003 को कोठिया जी कानिधन हो गया ।

श्री चन्दनमल कूमठ का जन्म 1914 में नारायण गढ़ मंदसौर म.प्र. में हुआ

श्री चन्दनभूषण पुरूषोत्तम बानाईत का जन्म ग्राम साबंगा, तहसील सौंसर जिला छिन्दवाड़ा म.प्र. में 7 जून 1919 को हुआ ।

श्री चन्द्रसेन जैन 'नेताजी' का जन्म 1.1.1926 को भिण्ड में हुआ था ।

श्री चाँदमल मेहता का जनम 23 फरवरी 1904 को सारंगी (झाबुआ) म.प्र. में हुआ । 1978–79 में आपका स्वर्गवास हो गया ।

श्री चिन्तामन जैन का जन्म दमोह म.प्र. जिले के पटेरा के निकट बमनपुरा ग्राम में 1913 में हुआ ।

श्री चुन्नीलाल जैन का जन्म ग्राम पिण्डरई मण्डला म.प्र. में हुआ था।

श्री चुन्नीलाल जैन का जन्म ग्राम बिनैका जिला सागर म.प्र. में हुआ था 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में एक माह का कारावास भोगा।

श्री बाबू चेतराम जैन का जन्म कटंगी, तहसील पाटन जिला जबलपुर म.प्र. में हुआ था।

श्री चैनदास लोढ़ा – का जन्म 1 अक्टूबर 1922 को इंदौर में हुआ था।

श्री छक्कीलाल जैन ग्राम लौंडी भड़ोकर जिला छतरपुर म.प्र. में हुआ आपको झण्डा फहराने के कारण 22.2.1939 को गिरफ्तार किया गया आपको 3 माह की सजा व 50/रु– का अर्थदण्ड आपको दिया था।

श्री छीतरमल जैन का जन्म 1893 में मुरैना म.प्र. में हुआ था। आपने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया ।

श्री छोटेलाल भास्कर का जन्म ग्राम 1912 ई में बिलाई जबलपुर म.प्र. में हुआ था आपने 1942 के अगस्त आंदोलन में आप खादी प्रचार के साथ गुप्त रूप से बुलेटिन बांटने का कार्य करने लगे । आपको चार माह की सख्त सजा आपको भोगनी पड़ी । फरवरी 1943 में आप छोड़ दिये गये । जेल से छूटने के पश्चात आप खादी और गांधी साहित्य का प्रचार करते रहे। गांधी चौक के गांधी के नाम से विख्यात भास्कर जी का निधन 74 वर्ष की अवस्था में दमोह में हुआ।

श्री छोटेलाल उर्फ रतनचन्द्र मलैया – का जन्म 1919 को गढाकोटा सागर म.प्र. में हुआ था आपने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया तथा 9 माह का कारावास भोगा ।

श्री जड़ावचंद जैन का जन्म मध्यप्रदेश के मण्डलेश्वर में 1904 में हुआ था। आप 1948 तथा 1952 में दो बार मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य चुने गये तथा 1948 से 1951 तक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहे थे आपका निधन 4 मई, 1981 को हो गया ।

सिंघई जवाहरलाल जैन (सूरत) – सिंघई जवाहरलाल जैन पुत्र श्री झुन्नालाल जैन का जन्म 8 अगस्त 1928 में पनागर जिला जबलपुर म.प्र. में हुआ था। आपने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन 1942 की अगस्त क्रांति के समय 14 वर्ष की उम्र में की थी ।

श्री जीवनचंद जैन –श्री जैन का जन्म 3 जनवरी 1931 को भोपाल में हुआ था। देश की आजादी के बाद से श्री जैन अपने व्यवसाय में संलग्न हैं। 1985 में भोपाल में अन्य सेनानियों के साथ तत्कालीन उपराष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा आपका सम्मान किया गया था।

श्री जौहरीलाल झांझरिया का जन्म 1918 में इंदौर में हुआ था।

श्री ज्ञानचंद जैन पुत्र श्री मुलायमचंद जैन का जन्म 1928 में जबलपुर में हुआ और आपने सन् 1942 के आंदोलन में भाग लिया ।

श्री ज्ञानचंद जैन का जन्म चंदला जिला छतरपुर म.प्र. में हुआ था। श्री श्री ज्ञानचंद जैन 'ज्ञानेन्द्र' का जन्म बड़ागांव जिला टीकमगढ म.प्र. में श्री हजारी लाल जैन के यहां 1921 में हुआ था।

श्री ज्ञानीचंद मॉडल पुत्र श्री कस्तूरचंद मॉडल का जन्म 29 नवम्बर 1926 को गुना में हुआ था आपने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया।

श्री झब्बूलाल जैन पुत्र श्री चैन्नीलाल काजन्म 1917 में जबलपुर में हुआ आप 1930 से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये थे।

श्री टीकाराम जैन पुत्र श्री राजाराम जैन का जन्म 18 नवम्बर 1923 को सागर म.प्र. में हुआ।

श्री टीकाराम विनोदी का जन्म 1907 में जबलपुर म.प्र. में हुआ था।

श्री टेकचंद तातेड़ जैन – का जन्म 18 नवम्बर 1917 को बैतूल म.प्र. में हुआ आप भारत छोड़ो आंदोलन में आपने 20 अगस्त 1942 से 9 सितम्बर 1943 तक कारावास नागपुर एवं बैतूल जेलों में भोगा।

श्री डालचंद जैन पुत्र श्री छब्बीलाल का जन्म 1900 में गोटेगांव जिला नरसिंहपुर म.प्र. में हुआ था।

ब्र0 डालचंद जैन का जन्म सागर म.प्र. में हुआ था आपका निधन 4 अक्टूबर 2003 को हो गया ।

श्री ताराचंद जैन का जन्म गाड़रवारा जिला नरसिंहपुर म.प्र. में हुआ था।

श्री ताराचंद जैन पुत्र श्री दयाचंद का जन्म 1920 में सागर म.प्र. में हुआ था। आपको भारत छोड़ो आंदोलन में आपने 6 माह का कारावास भोगा।

श्री दयाचंद जैन (बागड़ी) का जन्म 22 जून 1923 को टीकमगढ म.प्र. में हुआ था।

श्री दयालचंद जैन ग्राम में दिनांक 11 अक्टूबर 1924 को श्री किशोरीलाल एवं श्रीमती हीराबाई के यहाँ हुआ।

श्री दलीपचंद जैन होशंगाबाद म.प्र. के श्री दलीपचंद जैन पुत्र श्री परसराम जैन का जन्म 1901 में हुआ । 1943 में अल्प आयु में ही आपका देहावसान हो गया । आपके पुत्र विजय कुमार जैन भी जेलयात्री रहे हैं।

श्री दालचंद जैन – डिण्डोरी जिला मण्डला म.प्र. के दालचंद जैन पुत्र श्री पन्नालाल का जन्म 1911 में हुआ ।

श्री दालचंद जैन या डालचंद जैन गोटेगांव जिला नरसिंहपुर म.प्र. के श्री दालचंद जैन पुत्र श्री पुनउलाल का जन्म 1907 में हुआ था। 7 फरवरी 1992 को आपका निधन हो गया ।

श्री दिगम्बरराव जैन खड़के पुत्र श्री शांतीनाथा जैन का जन्म ग्राम प्रभातपट्टन जिला बैतूल म.प्र. में एक गरीब परिवार में हुआ था।

श्री दीपचंद जैन जबलपुर म.प्र. के श्री दीपचंद जैन पुत्र बंशीलाल का जन्म 1919 में हुआ ।

श्री दुलीचंद जैन का जन्म 18.06.1925 को देवरी कलां जिला सागर म.प्र. में हुआ ।

बाबूदेवेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री कंवरलाल का जन्म 1898 में इंदैर म.प्र. में हुआ था।

श्री धन्नालाल शाह का जन्म इंदौर में हुआ था।

श्री धन्यकुमार जैन का जन्म 15 जुलाई 1924 को खुरई, जिला सागर म.प्र. में हुआ था

श्री धर्मचंद जैन का जन्म 1924 में पन्ना म.प्र. जिले के ककरहटी गांव में हुआ था। 1999 में आपका निधन हो गया ।

सवाई सिंघई श्री धर्मचंद जैन पुत्र श्री रामचंद जैन का जन्म 1913 में बुढार जिला शहडोल म.प्र. में हुआ। 16.12.1987 को भोपाल में आपका देहावसान हुआ।

श्री नथमल चौरडिया का जन्म वि.सं. 1932 (सन्1875) में नीमच म.प्र. में हुआ नथमल जी का 1936 में निधन हो गया ।

श्री नन्हेमल बुखारिया – बीना सागर म.प्र. में हुआ ।

श्री नरहर कोठारी पुत्र श्री गणेश कोठारी का जन्म 1895 में हुआ । 1949 में आपका स्वर्गवास हो गया ।

श्री नाथमल मेहता – ग्राम उमरकोट जिला झाबुआ म.प्र. के श्री नाथमल मेहता पुत्र श्री बच्छराज मेहता का जन्म 1912 में हुआ ।

श्री नाथूराम पुत्र श्री शांतिराम जैन आमला जिला बैतूल म.प्र. में हुआ।

श्री नाथूसाव जैन पुत्र श्री नारायण जैन का जन्म 19156 में लोधी खेडा जिला छिन्दवाडा म.प्र. में हुआ ।

सिंघई नानकचंद जैन उमरिया शहडोल म.प्र

श्री नारायणदास – होशंगाबाद म.प्र.

श्री नारायणदास जैन – कटनी म.प्र.

श्री नारायणदास जैन – सागर म.प्र

श्री नारायणदास जैन जबलपुर म.प्र.

श्री निर्मलकुमार जैन – होशंगाबाद म.प्र.

श्री निर्मलकुमार जैन –बरेली रासेन म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन –नरसिंहपुर म.प्र.

श्रीनेमीचंद जैन– जबलपुर म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन– डिण्डोरी मण्डला म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन– छिन्दवाडा म.प्र

श्री नेमीचंद जैन– वारासिवनी बालाघाट म.प्र.

सिंघई नेमीचंद जैन –पिण्डरई मण्डला म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन –बिलहरी कटनी म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन –चारूवा/हरदा होशंगाबाद म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन –कुरवाई विदिशा म.प्र.

श्री नेमीचंद जैन –कासलीवाला मंहिदपुर उज्जैन म.प्र.

श्री पदमकुमार जैन –सागर म.प्र.

श्री पन्नालाल जैन –सनावद म.प्र.

श्री पन्नालाल जैन –बरेली रायसेन म.प्र.

श्री पन्नालाल डेरिया –बाबई होशंगाबाद म.प्र.

श्री पन्नालाल पाईया –बुढार शहडोल म.प्र.

श्री परमानंद सिंघई –देवरीकला सागर म.प्र.

श्री पूनमचंद पटवा –कुकडेश्वर गरोठ म.प्र.

श्री पूरनचंद जैन –सागर म.प्र.

श्री पूरनचंद जैन –नैनधरा दमोह म.प्र.

श्री प्रभाचंद जैन –केवलारी सिवनी म.प्र.

श्री प्रभाषचंद जैन –कटनी म.प्र.

श्री प्रेमचंद 'आजाद' – जबलपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद 'उस्ताद' – जबलपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद कापड़िया – दमोह म.प्र.

श्री प्रेमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद जैन – चंदला छतरपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री फूलचंद अग्रवाल जैन – भिण्ड म.प्र.

डॉ. फूलचंद भदौरा – टीकमगढ म.प्र.

श्री बंशीधर वैसाखिया – नरसिंहपुर म.प्र.

श्री बरदीचंद जैन – रानापुर झाबुआ म.प्र.

श्री बसंतकुमार जैन – भोपाल म.प्र.

श्री बागमल जैन– भोपाल म.प्र.

श्री बाबूराम जैन– पथरिया दमोह म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन – खुरई सागर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन शहडोल म.प्र

श्री बाबूलाल जैन जबलपुर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन सिलौंड़ी जबलपुर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन (पथरिया वाले) – दमोह म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन रूसल्ली विदिशा म.प्र.

श्री बाबूलाल झांझरिया इंदौर म.प्र.

श्री बाबूलाल पलन्दी – दमोह म.प्र

श्री बाबूलाल संघी – गढ़ाकोटा सागर म.प्र

श्री बालचंद जैन– बलेह सागर म.प्र.

श्री भंवरलाल जैन –छापीखेड़ा राजगढ

श्री प्रेमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद जैन – गाडरवारा नरसिंहपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री प्रेमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री फूलचंद जैन – बोरिया/पाटन जबलपुर म.प्र.

श्री फूलचंद वमोरहा– गोटेगाँव नरसिंहपुर म.प्र.

श्री बंशीलाल जैन – बिलहरी कटनी म.प्र.

श्री बलीराम जैन – प्रभात पट्टन बैतूल म.प्र.

श्री बसंतीलाल जैन – रानापुर झाबुआ म.प्र.

श्री बापूलाल चौधरी – इंदौर

मुंशी बाबूलाल जैन – पलपुरा मुरैना म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन – सीहोर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन – गाडरवारा नरसिंहपुर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन – सागर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन – सागर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन रहली सागर म.प्र.

श्री बाबूलाल जैन रत्न नैनपुर मण्डला म.प्र

श्री बाबूलाल नायक पनागर जबलपुर म.प्र

श्री बाबूलाल मलैया – गढाकोटा सागर म.प्र

श्री बाबूलाल सिंघई – आरी होशंगाबाद म.प्र.

श्री बालचंद जैन –खुरई सागर म.प्र.

श्री भंवरलाल जैन – बेगमगंज रायसेन म.प्र.

म.प्र.

श्री भागचंद जैन – कटंगी/पाटन जबलपुर म.प्र.

श्री भागचंद जैन – नरसिंहपुर म.प्र.

श्री भागचंद जैन गाड़रवारा नरसिंह पुर म.प्र.

वैद्य श्री भानुकुमार जैन भिण्ड म.प्र.

श्री भीकमचंद जैन ग्वालियर म.प्र.

श्री पं. भुवनेन्द्र कुमार शास्त्री सेवारा सागर म.प्र.

श्री भेरूलाल वेदमूथा– चीताखेड़ी मंदसौर म. प्र.

श्री भैयालाल गणपति देशकर लोधीखेड़ा छिन्दवाडा म.प्र.

श्री भोलानाथ जैन – गौरझामर सागर म.प्र.

श्री मंगलचंद जैन – नरसिंह पुर म.प्र.

विद्यार्थी मथुरालाल – झाबुआ म.प्र.

श्री मदनलाल जैन – तलैन राजगढ़ म.प्र.

श्री मन्नालाल जैन पंचोलिया – सनावद म.प्र

श्री मयाचंद जटाले – सनावद म.प्र.

श्री मांगीलाल उर्फ महेन्द्र कुमार – इंदौर म.प्र.

श्री मांगीलाल जैन – झाबुआ म.प्र.

श्री माखनलाल जैन – सागर म.प्र.

श्री माणकलाल जैन – शाजापुर म.प्र.

श्री माणकलाल जैन– झाबुआ म.प्र.

श्री माणिकचंद जैन पाटनी – हरदा होशंगाबाद म.प्र.

श्री माधवसिंह जैन संत – मंदसौर म.प्र.

श्रीमानकचंद मुल्ला जैन – खुरई सागर म.प्र.

श्री मिठ्ठूलाल जैन – सैंधवा खरगौन म.प्र.

श्री मिठ्ठूलाल नायक नरसिंहपुर म.प्र.

श्री मिश्रीलाल गंगवाल इंदौर– सोनकच्छ देवास म.प्र.

श्री मुकुन्दीलाल बघेरवाल – गरोठ मंदसौर म.प्र

श्री मुन्नालाल जैन – सागर म.प्र

श्री मुन्नालाल जैन – छिन्दवाडा म.प्र.

श्री मुलायमचंदजैन – कान्हीवाडा सिवनी म.प्र.

श्री मुलामचंद जैन – पिण्डरई मण्डला म.प्र.

श्री मुलायमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री मुलायमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री मुलायम चंद जैन – टड़ा सागर म.प्र.

श्री मुलायम चंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री मुलायमचंद जैन – शहडोल म.प्र.

श्री मुलायमचंद जैन हलवाई पिण्डरई मण्डला म.प्र

साव मूलचंद जैन – कटंगी/पाटन जबलपुर म.प्र.

श्री मूलचंद सिंघई – बाबई होशंगाबाद म.प्र.

श्री मेघराज जैन – डीकेन/जावद मंदसौर म.प्र.

श्री मेरूलाल जैन – भाभरा झाबुआ म.प्र.

श्री मोतीलाल जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री मोतीलाल जैन – कटनी म.प्र.

श्री मोतीलाल जैन – बरेली रायसेन म.प्र

श्री मोतीलाल जैन – कटंगी जबलपुर म.प्र.

श्री मोतीलाल जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री मोतीलाल जैन – कटनी म.प्र.

पं. मोतीलाल जैन शास्त्री – बगरोदा/बंडा सागर म.प्र

श्री **मोहनलाल जैन** – रीवा म.प्र.

श्री यादवचंद जैन – सिवनी म.प्र.

श्री रंगलाल जैन –मंदसौर म.प्र.

श्री रघुवर दयाल जैन – मड इंदौर म.प्र.

श्रीरतनचंद गोटिया – पनागर जबलपुर म.प्र.

सिंघई रतनचंद जैन – दमोह म.प्र.

सेठ रतनचंद जैन – कटनी म.प्र.

श्री रतनचंद जैन – सिहोरा म.प्र.

श्री रतनचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री रतनचंद जैन 'चंदेरा' – चंदेरा/जतारा टीकमगढ म.प्र.

सवाई सिंधई श्रीरतनचंद जैन – बुढ़ार शहडोल म.प्र.

श्री रतनचंद जैन – इटारसी म.प्र.

श्री रतनचंद जैन –जबलपुर म.प्र.

श्री रतनचंद जैन – पनागर जबलपुर म.प्र.

श्री रतनलाल मालवीय – सागर म.प्र.

श्री रमेशचंद जैन घोड़ावत – थांदला झाबुआ म.प्र.

श्री रवीन्द्रनाथ जैन भोपाल म.प्र.

श्री राजधर जैन – लौंड़ी छतरपुर म.प्र.

श्री राजधर जैन – शाहपुर सागर म.प्र.

श्री राजमल कोठरी – महिदपुर उज्जैन म.प्र.

श्री राजमल कोठारी – इंदौर म.प्र.

श्री राजमल जालोरी – विदिशा म.प्र.

श्री राजमल जैन – उज्जैन म.प्र

श्री राजमल जैन 'लीडर' भोपाल म.प्र.

श्री राजाराम उर्फ राजैनद्र कुमार जैन – पथरिया दमोह म.प्र.

श्री राजाराम बजाज – दमोह म.प्र.

श्री राजैनद्र कुमार महनोत – उज्जैन म.प्र.

श्री रामचंद जैन कर्नावट –उज्जैन म.प्र.

श्री रामचरण जैन – दमोह म.प्र.

श्री रामचरण लाल जैन – कुलैथ ग्वालियर म.प्र.

श्री रामराव जैन – इंदौर म.प्र.

श्री रामलाल नायक – खुरई सागर म.प्र.

श्री रामलाल पोखरना – रामपुर मंदासौर म.प्र.

श्री रायचंद नागड़ा – खण्डवा म.प्र.

श्री रूपचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री रूपचंद जैन – सागर म.प्र.

सेठ श्री रूपचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री रूपचंद जैन – शहडोल म.प्र.

श्री सवाई सिंघई रूपचंद जैन – पटेरा दमोह म.प्र

श्री रूपचंद बजाज – दमोह म.प्र.

श्री लक्ष्मण जैन – इंदौर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंदजैन – जबलपुर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद जैन –जबलपुर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद जैन– सागर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद जैन –सागर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद नारद – सतना म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद समैया –जबलपुर म.प्र.

श्री लक्ष्मीचंद सोधिया – सुरखी सागर म.प्र

श्री लक्ष्मीप्रसाद जैन कंचीदादा – जतारा टीकमगढ़ म.प्र.

श्री लालचंद चोरडिया – भानपुरा मंदसौर म.प्र.

नरगसेठ श्री लालचंद जैन – दमोह म.प्र.

श्री लीलाधर सर्राफ – दमोह म.प्र.

पंडित लोकमणि जैन – हिनौतिया जबलपुर म.प्र.

श्री वामनराव जैन – प्रभातपट्टन बैतूल म.प्र.

श्री विजयकुमारजैन – होशंगाबाद म.प्र.

श्री विरदीचंद गोठी – बैतूल म.प्र.

श्री विरधीचंद गोयल – धूमा सिवनी म.प्र

श्री विरधीचंद गोयल – धूमा सिवनी म.प्र

श्री विश्वराम जैन – पिपरिया छतरपुर म.प्र.

श्री वीरचंद जैन – कटनी म.प्र.

श्री शंकरलाल कटलाना – सीतामऊ मंदसौर म.प्र.

श्री शंकरलाल जैन –ग्वालियर म.प्र.

श्री शंकरलाल उर्फ ज्ञानचंद जैन –सिहोरा म.प्र.

श्री शंकरलाल जैन –दमोह म.प्र.

श्री शंकरलाल जैन – गाडरवारा नरसिंहपुर म.प्र.

श्री शांतिलाल आजाद – रामपुरा मंदसौर म.प्र.

श्री शांतिलाल जैन – बखेड़ा राजगढ म.प्र.

श्री शांतिलाल जैन – इंदौर म.प्र.

श्री शांतिलाल जैन – सीहोर म.प्र.

श्री शांतिलाल जैन –वारासिवनी बालाघाट म.प्र.

श्री शिखरचंद जैन – कटनी म.प्र.

सिंघई शिखरचंद जैन –पिण्डरई मण्डला म.प्र.

श्री शिखरचंद जैन – गाडरवारा नरसिंहपुर म.प्र.

श्री शिखरचंद बर्डिया – गोटेगांव नरसिंहपुर म.प्र.

श्री शिवप्रसाद सिंघई – दमोह म.प्र.

श्री शुभचंद जैन –जबलपुर म.प्र.

श्री शेखरचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री शोभालाल जैन – कटनी म.प्र.

श्री श्यामबिहारी लाल जैन – ब्यावरा राजगढ म.प्र.

श्री श्यामलाल जैन – मण्डला म.प्र.

श्री श्यामलाल जैन –नरसिंहपुर म.प्र.

श्री श्यामलाल जैन –नरसिंह पुम.प्र.

श्रीचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्रीमती सज्जनदेवी महनोत –उज्जैन म.प्र.

श्री सरदार सिंह महनोत – उज्जैन म.प्र.

श्री सवाईमल जैन – जबलपुर म.प्र.

श्रीसागरचंद जैन – बुढ़ार शहडोल म.प्र.

श्री सागरचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री सागरमल जैन – भोपाल म.प्र.

श्री साधूलाल जैन – टीकमगढ म.प्र.

श्री साबूलाल कामरेड़ – पथरिया दमोह म.प्र.

श्री साबूलाल जैन – दमोह म.प्र.

श्री सुखलाल जैन – सागर म.प्र.

सिंघई सुगमचंद जैन – पिण्डरई मण्डला म.प्र.

श्री सुजानमल जैन – रतलाम म.प्र.

श्री सुन्दरलाल चौधरी – बीना सागर म.प्र.

श्री सुन्दरलाल छजलानी – महिदपुर उज्जैन म.प्र.

श्री सुमतचंद सौधिंया – सागर म.प्र

श्री सुमतिचंद जैन – बुढ़ार शहडोल म.प्र.

श्री सुमेरचंद जैन – सनावद म.प्र.

श्री सुरेन्द्रकुमार जैन – छतरपुर म.प्र.

श्री सुरेशचंद सिंघई – देवरी सागर म.प्र.

श्री सुहागमल जैन – भोपाल म.प्र.

श्री सूरजचंद जैन – पाटन जबलपुर म.प्र.

श्री सूरजमल जैन – भोपाल म.प्र.

श्री सूरजमल लुक्कड – अंजड खरगौन

म.प्र.

श्री सेजमल जैन – निम्बोद मंदसौर म.प्र.

श्री सोहनलाल जैन – मेघनगर झाबुआ म.प्र.

श्री सौभाग्यमल जैन – दवोह/लहार भिंड म.प्र.

श्री सौभाग्यमल जैन –शुजालपुर शाजापुर म.प्र.

श्री सौभागमल पोरवाल जैन – रतलाम म.प्र.

श्री सौभाग्य सिंह चोरड़िया – नीमच म.प्र.

श्री स्वरूपचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री स्वरूपचंद सिंघई –सागर म.प्र.

श्री हंसराजकोठारी – ब्यावरा राजगढ म.प्र.

श्री हजारीलाल जैन – सोहागपुर होशंगाबाद म.प्र.

श्री हजारीलाल जैन – कटनी म.प्र.

श्री हजारीलाल जैन 'मस्ते' – होशंगाबाद म.प्र.

श्री हरिशचंद्र जैन – सागर म.प्र.

श्री हरिश्चन्द्र मालू जैन – लोपा सिवनी म.प्र.

डॉ. हरीन्द्रभूषण जैन – नरयावली सागर म.प्र.

श्री हरीभाऊ कोठारी – बैतूल म.प्र.

श्री हीरालाल गंगवाल – इंदौर म.प्र.

श्री हीरालाल जैन (भिलाई) – जबलपुर म.प्र.

श्री हीरालाल जैन – पनागर जबलपुर म.प्र.

श्री हीरालाल जैन – पचौर राजगढ म.प्र.

श्री हीरालाल जैन – होशंगाबाद म.प्र.

श्री हीरालाल जैन – हरदा म.प्र.

श्री हुकुमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री हुकुमचंद जैन – जबलपुर म.प्र.

श्री हुकुमचंद जैन –कटनी म.प्र.

श्री हुकुमचंद जैन –जबलपुर म.प्र.

श्री हुक्मचंद नारद –सतना म.प्र.

श्री हुक्मीचंद पोरवाल – रानापुर झाबुआ म.प्र.

,,,,,,,,,,,,,,